वार्षिक प्रतिवेदन
2014-15

USACS

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

एच.आई.वी./एड्स से सम्बन्धित अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

Website: www.uasacs.org

नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से ही
सुरक्षित रक्त प्राप्त किया जा सकता है।
18–65 वर्ष की आयु का कोई
भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने
में एक बार रक्तदान कर सकता है।
"रक्तदान" "जीवनदान" "महादान"
रक्तदान कीजिये - जीवन उपहार दीजिये
Donate Blood & Give a Gift of Life
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

करें वही जो बच्चे
के लिए है सही
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

एच.आई.वी./(HIV) संक्रमित व्यक्ति के साथ खेलने,
खाने या रहने से एच.आई.वी. संक्रमण नहीं होता।
संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नाइंसाफी है।
एच.आई.वी./एड्स पर अधिक
जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाईन
सेवा 1097 पर कॉल करें।
थूक की जांच से शरीर में एच.आई.वी. की उपस्थिति का पता लगाया जा सकता है
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

हमेशा नई सुई एवं
सिरिंज का इस्तेमाल करें
दूसरों द्वारा प्रयोग की गई सुई एवं सिरिंज
से एचआईवी संक्रमण हो सकता है
अपने सामने ही नया पैकेट खुलवा
कर सुई लगवाएं
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

वार्षिक प्रतिवेदन 2014-15

Annual Report 2014-15

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय

डांडा लखौण्ड, पो0ओ0 गुजराड़ा, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून

दूरभाष: 0135–2608885, फैक्स 2608745, **Email: uttaranchalsacs@gmail.com Website: www.uasacs.org**

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

विषय सूची

1	लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना	05
2	एस.टी.आई./आर.टी.आई.	08
3	रक्त सुरक्षा कार्यक्रम	09
4	एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.)	12
5	सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.)	13
6	यूथ अफेयर	17
7	मेनस्ट्रीमिंग	18
8	देखभाल, सहयोग एवं उपचार	20
9	लैब सर्विसेस	25
10	समाचार पत्र – सुर्खियाँ	26
11	आई.ई.सी. सामग्री	28
12	यूसैक्स में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचाारियों की सूची	30
13	लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना में कार्यरत एन.जी.ओ. की सूची	32
14	रक्तकोषों की सूची	36
15	सुरक्षा क्लीनिक की सूची	37
16	एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्रों की सूची	38
17	ए.आर.टी. केन्द्रो एवं लिक ए.आर.टी. केन्द्रो की सूची	41
18	ओ.एस.टी. केन्द्रो की सूची	42
19	संक्षिप्तीकरण	43

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना

(अप्रैल 2014-मार्च 2015)

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत 36 गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से उच्च जोखिम समूहों के मध्य कार्य किया जा रहा है जहां एच.आई.वी. संक्रमण की अधिक संवेदनशीलता है। उच्च जोखिम समूहों को "कोर ग्रुप" एवं "ब्रिज पोपुलेशन" में विभाजित किया गया है। "कोर ग्रुप" के अन्तर्गत महिला यौनकर्मी, इन्जेक्टिंग ड्रग यूजर्स एवं समलिंगी (एम0एस0एम0) एवं ब्रिज पापुलेशन के अन्तर्गत ट्रक ड्राईवर एवं माइग्रेंट्स के मध्य कार्यक्रम क्रियान्वित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2014–15 में अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक राज्य में उच्च जोखिम समूहों की अनुमानित संख्या 146430 के सापेक्ष 150955 लाभार्थियों को लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत सेवायें प्रदान की गई।

Typology	Estimation as per Site Assessment	Target	No. of Registered Population	% of Achievement
FSW	7250	6950	5454	78%
MSM+TG	2080	2080	1948	94%
IDU	2100	2100	1760	84%
Migrants	95000	95000	106170	112%
TRUCKERS	40000	40000	35623	89%
Total	**146430**	**146130**	**150955**	**103%**

Table : Coverage of HRGs in the Year 2014-15(April 2014-March 2015)

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु वर्ष 2014–15 में माह अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक 34923 लाभार्थियों की एच0आई0वी0 की जांच की गयी जिसमें से कुल 42 एच0आई0वी0 पॉजिटिव पाये गये जिसमें से 35 को ए0आर0टी0 में सन्दर्भित कर उचित सेवायें प्रदान की गयी। लाभार्थियों की एच0आई0वी0 जांच हेतु एन0एच0एम0 के अन्तर्गत उपलब्ध सेवाओं से भी समन्वय स्थापित कर सेवायें प्रदान की गयी। राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा स्थापित आई0सी0टी0सी0 केन्द्रों के अतिरिक्त फैसिलिटि आई0सी0टी0सी, मोबाइल आई0सी0टी0सी0, मोबाइल मेडिकल वैन, कम्युनिटी केयर सैन्टर एवं अरबन हैल्थ सैन्टर में एच0आई0वी0 की जांच की गयी एवं एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की जांच की गयी।

Typology	April 2014 to March 2015		
	No. of Active Population	No. of Tested for HIV	% of Achievement
FSW	6950	8426	121%
MSM+TG	2080	3196	153%
IDU	2100	2890	138%
Migrants	95000	17347	18%
Truckers	40000	3064	7.66%
Total	**146130**	**34923**	**23.89%**

वर्ष 2014–15 में लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत गैर सरकारी संस्थाओं के चयन हेतु संस्थाओं के एम्पेनलमेंट प्रक्रिया पूर्ण की गयी एवं वार्षिक कार्य योजना के अनुरूप 5 संस्थाओं का चयन किया गया। चयनित 5 संस्थाओं हेतु 12 मार्च 2015 को प्रपोजल डेवल्पमेंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थाओं के चयन के उपरान्त कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु इन संस्थाओं के साथ अनुबन्ध कर लक्ष्यों के अनुरूप आवंटन किया गया।

संस्थाओं का मूल्यांकन: वर्ष 2014–15 में लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत 6 गैर सरकारी संस्थाओं का मूल्यांकन 20–30 मार्च 2014 को किया गया। उक्त मूल्यांकन में सभी 6 संस्थायें सफल पायी गयीं।

एस0टी0आई0 / आर0टी0आई0 – यौन रोग एच0आई0वी0 / एड्स के संक्रमण को बढ़ावा देती है एवं यौन रोगियों में एच0आई0वी0 संक्रमण लगभग 30 प्रतिशत अधिक होने की संभावना रहती है। वर्ष 2014–15 में माह अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक 34923 लाभार्थियों ने एस0टी0आई0 सेवाओं हेतु उपस्थिति दर्ज की गयी एवं एस0टी0आई0 ग्रसित व्यक्तियों का उपचार किया गया।

कण्डोम प्रमोशन– एच0आई0वी0 / एड्स कार्यक्रम में कण्डोम प्रमोशन भी एक महत्वपूर्ण मद है। एच0आर0जी0 के मध्य मुफ्त कण्डोम वितरण के अतिरिक्त सोशल मार्केटिंग के माध्यम से भी कण्डोम की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु संस्थाओं द्वारा सराहनीय प्रयास किया गया। वर्ष 2014–15 में माह अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक मांग के सापेक्ष शत प्रतिशत कण्डोम वितरित किया गया एवं सोशल मार्केटिंग के माध्यम से भी कण्डोम उपलब्ध कराया गया। कण्डोम प्रमोशन के प्रयासों के फलस्वरूप राज्य में एच0आई0वी0 / एड्स को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता प्राप्त हुई एवं यौन रोगियों की संख्या में अप्रत्याशित कमी पायी गई।

उक्त के क्रम में नाको–भारत सरकार द्वारा चयनित HLFPPT द्वारा राज्य के तीन जनपदों में कण्डोम सोशल मार्केटिंग के माध्यम से कण्डोम प्रमोशन की गतिविधियां संचालित की गयीं। उक्त कार्यक्रम 4 दिसम्बर 2014 को सम्पन्न हुआ। कण्डोम प्रमोशन हेतु टैक्नीकल सपोर्ट ग्रुप(नाको भारत सरकार) की महत्वपूर्ण भूमिका रही एवं टैक्नीकल सपोर्ट ग्रुप द्वारा उचित सहयोग प्राप्त हुआ।

एम्लायर लेड माडल (Employer Led Model)–

एच0आई0वी0 / एड्स की रोकथाम हेतु राज्य में स्थापित विभिन्न उद्योगों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जाने हेतु प्रयास किये गये। इसी क्रम में 5 अगस्त 2014 हरिद्वार में बी0एच0ई0एल0 के साथ बैठक आयोजित की गयी जिसमें श्री संजय सिंह बिष्ट, उप निदेशक–टी0आई0–यूसैक्स, श्री ओम प्रकाश सिंह सहायक निदेशक–टी0आई–यूसैक्स, श्री सुनील सिंह, सहायक निदेशक–आई0सी0टी0सी0– यूसैक्स एवं श्री महेन्द्र पंचोली, टीम लीडर–टी0एस0यू0–यूसैक्स द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं बी0एच0ई0एल0 के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित किया गया।

12 अगस्त 2014 को हरिद्वार में बी0एच0ई0एल0 के साथ बैठक आयोजित की गयी जिसमें डा0 राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, अपर परियोजना निदेशक, यूसैक्स, श्री संजय सिंह बिष्ट, उप निदेशक–टी0आई0–यूसैक्स एवं श्री महेन्द्र पंचोली, टीम लीडर–टी0एस0यू0–यूसैक्स द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं बी0एच0ई0एल0 के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एच0आर0 मैनेजर के साथ समन्वय स्थापित किया गया।

इसी क्रम में जनपद उधमसिंह नगर में कार्यरत उद्योगों के सी0एस0आर0 एवं एच0आर0 मैनेजर हेतु दिनांक 26 दिसम्बर 2014 को टाटा मोटर्स पन्तनगर प्लांट उधमसिंह नगर में ई0एल0एम0 के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें टाटा मोटर्स, अशोक लेलेण्ड, सेंचुरियन पल्प सहित विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। उक्त कार्यशाला में अपर परियोजना निदेशक के नेतृत्व में SACS/TSU के कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा एच0आई0वी0 / एड्स एवं ई0एल0एम0 का अभिमुखीकरण किया गया एवं कम्पनियों को आई0ई0सी0 सामग्री वितरित की गयी। कम्पनियों के साथ ई0एल0एम0 के अन्तर्गत एच0आई0वी0 / एड्स की रोकथाम हेतु कार्य योजना तैयार की गयी एव नाको–भारत सरकार के अनुरूप कपंनियों से सहयोग हेतु मैमोरेन्डम आफ अण्डरस्टैंडिंग पर विस्तृत चर्चा की गयी। यह कार्यक्रम टाटा मोटर्स द्वारा प्रायोजित किया गया।

एम्लायर लेड माडल(Employer Led Model) के अन्तर्गत उद्योगों के कार्पोरेट सोशल रिसपोंसबिलिटी(CSR) के माध्यम से एच0आई0वी0 / एड्स की रोकथाम हेतु इन क्षेत्रों में कार्यरत कार्मिकों हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जाने हैं। उक्त कार्य हेतु कार्य योजना तैयार किये जाने में समिति द्वारा भी सहयोग प्रदान किया जायेगा। एम्लायर लेड माडल(Employer Led Model) के अन्तर्गत 9 कम्पनियों के साथ मेमोरेन्डम आफ अन्डरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किया जा चुका है।

चित्र–1 एम्लायर लैड माडल के अन्तर्गत आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग करते अपर परियोजना निदेशक एवं कम्पनियों के प्रतिनिधि

ओ0एस0टी0 सेन्टर – वर्ष 2014–15 में नाको द्वारा प्राप्त अनुमोदन के क्रम में सुई से नशा करने वालों (IDUs) में एच0आई0वी0 का संक्रमण के जोखिम को कम करने एवं एच0आई0वी0 की रोकथाम हेतु जनपद नैनीताल(बनभूलपुरा), जनपद देहरादून(प्रेमनगर), जनपद उधमसिंह नगर(रूद्रपुर एवं काशीपुर) एवं जनपद हरिद्वार में पांच ओ0एस0टी0 केन्द्रों के माध्यम से 500 आई0डी0यू0 को उचित दवाओं के माध्यम से सेवायें दी गयीं। इस कार्यक्रम के फलःस्वरूप आई0डी0यू0 सुई से नशा करने के स्थान पर चिकित्सक द्वारा दी गयी दवाओं का सेवन कर अपना बेहतर जीवन यापन करते हैं एवं इससे सुई द्वारा एच0आई0वी0 के संक्रमण की रोकथाम भी संभव हो पा रही है।

क्षमता विकास – लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना (टी0आई0) के अन्तर्गत कार्य कर रही संस्थाओं में कार्यरत कार्मिकों (परियोजना प्रबन्धक, परामर्शदाता, लेखाकार) की क्षमता विकास हेतु वर्ष 2014–15 में अब तक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रम नाको–भारत सरकार द्वारा तैयार किये गये ट्रेनिंग माड्यूल के अनुरूप किये गये। इसी क्रम में कुमाऊँ मण्डल में कार्यरत TI-NGO's (लक्ष्यगत हस्तक्षेप संस्थाओं) के प्रतिनिधियों(परियोजना प्रबन्धक एवं आउटरीच वर्कर) हेतु इंटर पर्सनल कम्युनिकेशन (IPC) पर आई0ई0सी0 अनुभाग के सहयोग से पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। ओ0एस0टी0 केन्द्रों के चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों हेतु विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

चित्र–2. विश्व एड्स दिवस में प्रतिभाग करते टी0आई0 संस्थाओं के प्रतिनिधि

एस०टी०आई/आर०टी०आई०
प्रगति आख्या (माह अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015)

असुरक्षित यौन सम्बन्ध क्रियाओं से फैलने वाले रोग तथा यौन अंगों से सम्बन्धित रोग (एस0टी0आई0/आर0टी0आई0) भारत में एक मुख्य जन स्वास्थ्य समस्या है। विभिन्न सर्वेक्षणों में पाया गया है कि सामान्यतः वयस्क व्यक्तियों में 5 से 6 प्रतिशत लोग यौन सम्बन्ध से फैलने वाले तथा यौन अंगों से सम्बन्धित रोग से प्रभावित होते हैं। देखा गया है कि सरकारी चिकित्सालयों में बहिरंग रोगी विभाग में लगभग 6 प्रतिशत पुरूष तथा 12 प्रतिशत महिलायें यौन सम्बन्धी रोगों के लक्षणों वाले होते हैं।

एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की व्यापकता, एच0आई0वी0 के लिये एक महत्वपूर्ण सूचक है क्योंकि दोनों के संक्रमण का एक मार्ग समान होता है। उल्लेखनीय है कि एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 से संक्रमित व्यक्ति के एच0आई0वी0 के संक्रमित होने एवं दूसरे को संक्रमण फैलाने की सम्भावना, सामान्य व्यक्तियों से काफी अधिक होती है। एस0टी0आई0/ आर0टी0आई0 को नियन्त्रित कर एच0आई0वी0 संक्रमण के दर को कम किया जा सकता है तथा एच0आई0वी0 की रोकथाम तथा प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रशिक्षित परामर्शदाता द्वारा सलाह दी जाती है।

राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण संगठन (नाको) का एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार का प्राविधान, एच0आई0वी0 के संक्रमण के फैलाव को रोकने तथा लैंगिक तथा प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण योजना है। एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार लक्षणों के आधार एवं सिफिलिस जांच के परिणाम पर किया जाता है तथा उपचार नाको, गाइडलाईन के अनुसार ही प्रदान किया जाता हैं।

एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार हेतु सेवायें जिला स्तर के चिकित्सालयों एवं कुछ चयनित अन्य चिकित्सालयों में नाको द्वारा राज्य एड्स नियन्त्रण समिति की ओर से प्रदान की जाती है, जिन्हें (Designated STI/RTI Clinic-DSRC) सुरक्षा क्लीनिक के नाम से जाना जाता है। नाको द्वारा प्रत्येक सुरक्षा क्लीनिक में एक परामर्शदाता की तैनाती की गयी है तथा निःशुल्क औषधि प्रदान की जाती है, साथ ही सिफिलिस की जांच भी की जाती है। अन्य चिकित्सालयों में यह सेवायें एन0एच0एम0 द्वारा प्रदान की जाती हैं।

वर्तमान में उत्तराखण्ड राज्य में कुल 27 सुरक्षा क्लीनिक स्थापित है जिसमें 28 (01 अतिरिक्त परामर्शदाता दून महिला चिकित्सालय में) एस0टी0आई0 परामर्शदाता तैनात है। वित्तीय वर्ष 2014–15 में दो नये सुरक्षा क्लीनिक संयुक्त चिकित्सालय, प्रेमनगर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोईवाला में स्थापित किये गये है।

उच्च जोखिम व्यवहार वाले व्यक्तियों में एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार हेतु सेवायें स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। वर्तमान में 36 स्वयं सेवी संस्थाओं के द्वारा यह सेवायें प्रदान की जा रही हैं।

माह अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक कुल 29103 मरीजों का सुरक्षा क्लीनिक में उपचार किया गया।

रक्त संचरण सेवा कार्यक्रम

रक्त संचरण सेवायें राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग है। असुरक्षित रक्त एवं रक्त उत्पादों के कारण एच0आई0वी0 संक्रमण की संभावना 100 प्रतिशत बनी रहती है, इसलिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि सुरक्षित रक्त की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में बनी रहे, जिसके लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में रक्त सुरक्षा कार्यक्रम को एक खास वरीयता दी गयी है।

राज्य में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त की उपलब्धता हेतु स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिस हेतु राज्य के समस्त जिलों में समय–समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर लाईसेन्सयुक्त रक्तकोषों के माध्यम से लगाये जाते हैं। प्रदेश में स्थापित रक्तकोष निम्नानुसार हैः–

कुल रक्तकोष	–	**27**
राज्य सरकार	–	**17**
केन्द्र सरकार	–	**03**
निजी	–	**07**

वित्तीय वर्ष 2014–15 (अप्रैल–मार्च) में प्रस्तावित लक्ष्य के क्रम में प्राप्त लक्ष्य निम्न प्रकार हैः–

क्र.सं0	विवरण	प्रस्तावित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
1	कुल एकत्रित रक्त यूनिटों की संख्या	85800	115000
2	कुल स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त	77220	106171
3	स्वैच्छिक रक्तदान का प्रतिशत	90%	92.32%
4	कुल एकत्रित रक्त यूनिटों की संख्या (नाको सहायतित रक्तकोषों में)	80000	102756
5	स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त यूनिट (नाको सहायतित रक्तकोषों में)	70000	96782
6	कुल रक्तदान शिविर	572	786

वित्तीय वर्ष 2014–15 में रक्त सुरक्षा अनुभाग द्वारा विभिन्न विशेष दिवसों का राज्य एवं जनपद स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं को एवं स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम में सहयोग करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र.सं0	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम में एकत्रित रक्त यूनिट	सम्मानित संस्था/व्यक्तियों की संख्या	
			रक्तदाता	संख्या
1	अन्तराष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस (8 मई)	57	-	-
2	विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) अभियान	8748	515	160
3	राष्ट्रीय रक्तदान दिवस (14 अक्टूबर) अभियान	7867	207	135

वित्तीय वर्ष 2014–15 (अप्रैल–मार्च) में रक्त सुरक्षा अनुभाग एवं राज्य रक्त संचरण परिषद्, उत्तराखण्ड द्वारा किये गये कार्यों का विवरण

प्रशिक्षण

- रक्तकोषों को सुचारू रूप से चलाने व सुरक्षित रक्त की आपूर्ति हेतु एच0आई0एच0टी0, जौलीग्रांट, देहरादून में नाको सहायतित रक्तकोषों में कार्यरत लैब टैक्नीशियनों हेतु चार दिवसीय (एक दिवसीय इक्वास एवं तीन दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग) प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने एवं कुल रक्त एकत्रण का 90 प्रतिशत रक्त स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से एकत्र किये जाने के उद्देश्य से निम्न कार्यक्रम करवाये जाते हैः–

डोनर मोटिवेटर्स प्रशिक्षण कार्यक्रमः–

जन–मानस को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति प्रोत्साहित किये जाने हेतु जनपद स्तर पर डोनर मोटिवेटर्स ट्रेनिंग का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत नियमित स्वैच्छिक रक्तदान का संदेश दिया जाता है, ताकि वह Replacement एवं Professional डोनेशन के द्वारा होने वाले खतरों को जान सकें, जैसे कि हिपेटाटिस–बी, सी, एच0आई0वी0 का विण्डो पीरियड के दौरान दूसरे व्यक्ति को संक्रमित होने के खतरों को समझ पायें। 100 प्रतिशत नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से इन बीमारियों के संक्रमण का खतरा लगभग समाप्त किया जा सकता है। इसी क्रम में नैनीताल एवं उधमसिंह नगर जिलें में मोटिवेटर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 303 मोटिवेटरो को प्रशिक्षण दिया गया।

मोटिवेशन टॉकः–

स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम के प्रति जन–मानस में जागरूकता फैलाने एवं जानकारी दिये जाने के उद्देश्य से राज्य के विभिन्न जनपदों

हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल, उधमसिंहनगर, इत्यादि के विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी संस्थानो में सहायक निदेशक–स्वैच्छिक रक्तदान, यूसैक्स द्वारा 200 मोटिवेशनल टॉक के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया जिसके परिणामस्वरूप स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का संचालन कर स्वैच्छिक रक्तदान दर को 92.32 प्रतिशत तक ले जाया गया।

विद्यालय शिक्षा कार्यक्रमः–

सुरक्षित रक्त की महत्ता को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लक्ष्य से तथा (14–17) वर्ष के युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान अभियान से जोड़ने के उद्देश्य एवं भावी रक्तदाता बनने के लिये विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। उक्त के क्रम में वित्तीय वर्ष 2014–15 में विभिन्न जनपदों (नैनीताल एवं देहरादून) में कुल 06 स्कूल शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा जिनमें 1478 छात्र/छात्राओं को व्याख्यान (Lecture) एवं नाटक किया गया।

बीट एनीमिया कार्यक्रमः–

महिलाओं में रक्त की कमी होने के कारण वे रक्तदान देने के इच्छुक होने के बावजूद भी स्वैच्छिक रक्तदान नहीं कर पाती हैं। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2014–15 में विभिन्न जनपदों (देहरादून, हरिद्वार एवं उधमसिंह नगर) में लगभग 03 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों द्वारा 307 महिलाओं के Hb% की जांच की गयी। उन्हें संतुलित आहार एवं रक्तदान की महत्ता की जानकारी देकर उन्हें स्वैच्छिक रक्तदान की तरफ प्रेरित किया गया।

ब्लड मोबाईल बसः–

नाको–भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के माडल ब्लड बैंक दून चिकित्सालय, देहरादून हेतु एक ब्लड मोबाईल बस प्रदान की गयी है। वित्तीय वर्ष 2014–15 में ब्लड मोबाईल बस के माध्यम से विभिन्न स्थानों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया।

- कुल रक्तदान शिविर – 39
- कुल एकत्रित रक्त यूनिट – 1652

रक्त की गुणवत्ता (Quality of Blood) एवं रक्त संचरण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण करने के लिए निम्न बैठकों का आयोजन किया जाता हैः–

कोर कमेटीः–

जनपदवार स्थापित नाको सहायतित रक्तकोषों में गुणवत्ता सुधार हेतु कोर कमेटी का गठन किया गया है, जिसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014–15 (अप्रैल–सितम्बर) में कोर कमेटी सदस्यों द्वारा जनपद ऋषिकेश, रूड़की एवं हरिद्वार का भ्रमण किया गया।

सुपरवाईजरी विजिटः–

रक्त सुरक्षा अनुभाग द्वारा काशीपुर, पिथौरागढ़, रानीखेत, अल्मोड़ा, हल्द्वानी, हरिद्वार रूड़की ऋषिकेश, रूद्रपुर एवं नैनीताल में स्थापित राजकीय रक्तकोषों की सुपरवाईजरी विजिट की गयी।

राज्य रक्त संचरण परिषद्, उत्तराखण्ड :–

प्रदेश में राज्य रक्त संचरण परिषद् की स्थापना, राष्ट्रीय रक्त संचरण परिषद् के निर्देशों को राज्य में लागू कराने के उद्देश्य से की गयी है। नीति निर्णयन (Policy Decision) प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण/अध्यक्ष, राज्य रक्त संचरण परिषद् की अध्यक्षता में गवर्निंग बॉडी की बैठक में लिये जाते हैं, जिसमें परियोजना निदेशक, यूसैक्स/उपाध्यक्ष, राज्य रक्त संचरण परिषद् एवं राज्य की रक्त संचरण सेवाओं के तकनीकी सदस्य होते हैं। राज्य रक्त संचरण परिषद् की गवर्निंग बॉडी की प्रथम बैठक दिनांक 24 जुलाई, 2014 को आहुत की गयी।

सुरक्षित रक्त, स्वास्थ्य सेवा का एक अति महत्वपूर्ण अंग है, जिसके लिए उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति का रक्त संचरण सेवा अनुभाग एवं राज्य रक्त संचरण परिषद् संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। साथ ही वित्तीय वर्ष 2014–15 में स्वैच्छिक रक्तदान का कुल 92.32 प्रतिशत तथा नाको सहायतित रक्तकोषों में 94.19 प्रतिशत रहा तथा इसे शत प्रतिशत करने हेतु निरन्तर प्रयासरत हैं।

विशेष कार्यक्रम :–

वित्तीय वर्ष 2014–15 में राष्ट्रीय रक्तदान दिवस एवं माह भर अभियान के अन्तर्गत कुमायूं (हल्द्वानी) तथा गढ़वाल (देहरादून) में सहायक निदेशक–स्वैच्छिक रकतदान द्वारा दो विशेष कार्यक्रम (Quiz competition Theme स्वैच्छिक रक्तदान) किये गये है जिनमें 900 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम युवा वर्ग को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करने तथा उन्हे प्रेरित करने के उद्देश्य से सम्पादित किये गये।

युवा दिवस :–

युवा दिवस 12 जनवरी 2015 के उपलक्ष्य में सचिवालय परिसर देहरादून में रेड कास सोसाइटी, देहरादून के सहयोग से एक सेमिनार तथा विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 युनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इंजीनियरिंग एसोसीयेशन :–

विशेष शिविर एस0बी0टी0सी0 एवं इंजीनियरिंग एसोसीयेशन के सहयोग से पूरे उत्तराखण्ड में दिनांक 15 सितम्बर को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें देहरादून में रक्त युनिट्स एकत्रित हुये। राजधानी देहरूदन में माननीय मुख्यमंत्री जी के करकमलों से शिविर का उद्घाटन किया गया।

मा वाराही मंदिर विशेष शिविर

दिनांक 07 अगस्त, 2014 को मा वाराही मंदिर देवीधुरा में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार देवीधुरा में माँ वाराही देवी मंदिर के प्रांगण में प्रतिवर्ष रक्षाबन्धन के अवसर पर श्रावणी पूर्णिमा को बग्वाल मेला लगता है। 'बग्वाल' एक तरह का पाषाण युद्ध है जिसमें एक दूसरों के ऊपर पत्थर बरसाते है। परिणामस्वरूप लोग लहुलूहान हो जाते है व रक्त की अधिक बर्बादी होती है। इस परम्परा को देखते हुए यूसैक्स द्वारा रक्तदान कार्यक्रम आरम्भ करने का निर्णय लिया गया। जिसमें स्थानीय युवाओ, एन0एस0एस0 विद्यार्थियों, पुलिस कर्मियों, उच्चतम न्यायालय कर्मियों एवं जिला प्रशासन के लोगों आदि द्वारा बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया गया। शिविर में कुल 40 ब्लड यूनिट्स रक्त एकत्रित किया गया।

उपरोक्त विशेष कार्यक्रमों एवं शिविरों में आई0ई0सी0 अनुभाग के सहयोग से नुक्कड़ नाटकों द्वारा भी स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगो को जागरूक किया गया।

सम्मान समारोह डिपार्टमेन्ट ऑफ एड्स कन्ट्रोल, भारत सरकार द्वारा दिनांक 14 जून, 2014 को राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय दिल्ली के सभाकार मे उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

"रक्तदान" "महादान" "जीवनदान"

एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी)

आई.सी.टी.सी. एवं पी.पी.टी.सी.टी. केन्द्र में एच.आई.वी./एड्स पर परामर्श एवं परीक्षण की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है जहाँ पर स्वयं एवं डॉक्टर की सलाह से जनसामान्य अपनी एच.आई.वी जांच एवं परामर्श की निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाते है।

एच.आईवी./एड्स संक्रमण का पता, केवल रक्त की जांच करवाने से ही हो सकता है। परामर्श (काउन्सलिंग) सहायक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एच.आई.वी./एड्स के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण एवं उद्देश्यपरक जानकारी प्रदान की जाती है तथा परामर्श द्वारा संक्रमित व्यक्ति को जीवन निर्वाह के लिए सकारात्मक प्रवृत्ति अपनाने एवं नेगेटिव लोगो को भविष्य में एच.आई.वी./एड्स से बचने के उपाय के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की जाती है। उत्तराखण्ड राज्य में एच.आई.वी. परीक्षण की सुविधा सर्वप्रथम 2002 में दो केन्द्रों में शुरू की गयी तथा अभी तक राज्य में 49 स्टैन्डअलोन एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई0सी0टी0सी0), 114 फेसिलिट आई0सी0टी0सी0 एवं 01 मोबाईल आई0सी0टी0सी0 तथा 12 पी0पी0पी0 मोड आई0सी0टी0सी0 स्थापित हैं। सभी केन्द्रों में एक परामर्शदाता एवं एक लैब टेक्नीशियन की व्यवस्था की गयी है, जो कि जनसाधारण को एच.आई.वी/एड्स की जानकारी एवं बचाव के उपायों से सम्बन्धित जानकारी के साथ–साथ निःशुल्क एच. आई.वी. जांच की सुविधा प्रदान करते है।

आई.सी.टी.सी. कार्यक्रम की सफलता हेतु आई.सी.टी. सी. केन्द्रो को राज्य में चल रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे आर.एन.टी.सी.पी.(Revised National Tuberculosis Control Programme), टी.आई.(Targetted Intervention) एवं एस.टी.डी.(Sexual Transmitted Disease) क्लीनिक से जोड़ा गया है। प्रायः देखा गया है कि एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति अवसरवादी संक्रमण का शिकार हो जाता है, जिस में टी.बी प्रमुख अवसरवादी संक्रमण है, जिस हेतु आर.एन.टी.सी. पी द्वारा समस्त टी.बी मरीजों को एच.आई.वी जांच हेतु आई. सी.टी.सी केन्द्रों को संदर्भित किया जाता है एवं आई.सी.टी.सी. केन्द्रों द्वारा टी.बी के लक्षण पाये जाने वाले समस्त लोगों को टी.बी केन्द्रों में टी.बी की जाँच हेतु संदर्भित किया जाता है।

राज्य में चल रहे टी.आई. प्रोजेक्ट के अन्तर्गत 36 गैर सरकारी संगठन उच्च जोखिम व्यवहार वाले लोगों के साथ काम कर रहें है, जिन लोगों की साल में दो बार एच.आई.वी. जांच जरूरी हैं एवं उनके व्यवहार परिवर्तन की भी अत्यन्त आवश्यकता होती है जो कार्य आई.सी.टी.सी. केन्द्रों द्वारा बखुबी निभाया जा रहा है।

एस.टी.आई/आर.टी.आई संक्रमित व्यक्ति को एच. आई.वी. संक्रमण होने एवं दूसरो को संक्रमित करने का खतरा 10 प्रतिशत तक ज्यादा रहता है जिस हेतु राज्य में 27 एस.टी.आई/आर.टी.आई क्लीनिको की स्थापना की गयी है। जिसमें आने वाले लोगों को आई.सी.टी.सी. में संदर्भित किया जाता है एवं आई.सी.टी.सी. में आने वाले लोगों को एस.टी. आई. के लक्षण पाये जाने की स्थिति में एस.टी.आई. में संदर्भित किया जाता है।

साथ ही एच.आई.वी. संक्रमित पाये गये व्यक्तियों को सी.डी.– 4 जांच एवं इलाज के लिए ए.आर.टी. केन्द्रों में सन्दर्भित किया जाता है तथा समय–समय पर उनके साथ समन्वय स्थापित किया जाता है।

आई.सी.टी.सी.

- आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक 93103 सामान्य लोगों की एच.आई.वी. की जांच की गयी, जिसमें 774 लोग एच.आई.वी. संक्रमित पाये गये जिनको ए0आर0टी0 केन्द्रों को संदर्भित किया गया।
- आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक 92530 गर्भवती माताओं की एच.आई.वी. जांच की गयी, जिसमें 51 गर्भवती माताऐं एच.आई.वी. संक्रमित पायी गयी जिनको ए0आर0टी0 केन्द्रों को संदर्भित किया गया।
- टी.बी. क्लीनिकों से आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में एवं आई.सी.टी. सी. केन्द्रों से टी.बी. क्लीनिको में अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक 9128 लोगों संदर्भित किया गया, जिसमें 42 लोग Co-infected पाये गये।
- अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक कुल 14621 उच्च जोखिम व्यवहार वाले लोगों की जांच की गयी।
- अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक कुल 20413 ब्रिज पोपुलेशन वाले लोगों की जांच की गयी।
- एस.टी.आई. से आई.सी.टी.सी. में कुल 9700 लोगों को एच. आई.वी की जांच हेतु संदर्भित किया गया।

आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन

राज्य में एच0आई0वी0/एड्स की जानकारी एवं परीक्षण हेतु एक आई. सी.टी.सी. मोबाईल वैन का संचालन किया जा रहा है। वैन को विभिन्न आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है, वैन में एक परामर्शदाता, लैब टेक्नीशिन, चालक एवं अटेन्डेन्ट तैनात है, जो वैन में ही परामर्श एवं टेस्टीगं कर रिपोर्ट क्लाईन्ट को देते है।

सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई०ई०सी०)

एच0आई0वी0 कार्यक्रम में सूचना, शिक्षा एवं संचार की एक अभिन्न रणनीति रही है चाहे वह एच0आई0वी0 संक्रमण के प्रभावी बचाव, रोकथाम या जागरूकता हो या इसका मुख्य उद्देश्य कलंक और भेदभाव को कम करना हो। आई0ई0सी0 का कार्य यूसैक्स द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों के मध्य पहुँचाना है। वर्ष 2014–15 में लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत प्रचार–प्रसार हेतु इलैक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, आउटडोर मीडिया आदि के माध्यम से विभिन्न चैनल्स का प्रयोग किया गया।

विश्व एड्स दिवस पर आयोजित रैली

आई0ई0सी0 एवं मेनस्ट्रिमिंग के अन्तर्गत वर्ष 2014–15 में विश्व रक्तदाता दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस, राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, विश्व एड्स दिवस जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा एच0आई0वी0/एड्स, एस0टी0आई0, कलंक एवं भेदभाव एवं रक्तदान जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त टी0वी0 वार्ताये, आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी अल्मोड़ा, एवं रेडियो खुशी मसूरी से रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। उक्त दिवसों के अवसर पर समाचार पत्रों एवं विभिन्न पत्रिकाओं में विज्ञापन एवं लेख प्रकाशित किये गये। इन कार्यक्रमों में विभिन्न रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, डिबेट, प्रदर्शनी आदि गतिविधियां भी आयोजित की गई। फोक मीडिया द्वारा सभी जिलों में पहुंच कर नाकों, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत स्क्रिप्ट के माध्यम से जन–जन में एच0आई0वी0/एड्स विषय पर जानकारी दी गई।

आई0ई0सी0 गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की पठन सामग्री का प्रकाशन किया गया। इसके अतिरिक्त बस बैक पैनल, रेंटेड टैम्परेरी होर्डिंग, आउटर पैनल ऑन पैसेंजर ट्रेन, इन्फोमेशन पैनल एट सर्विस सेंटर, ग्लो साईन लोली पॉप बोर्ड, रेलवे स्टेशन पर ग्लो साईन बोर्ड आदि द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण बचाव एव रक्तदान जैसे विषयों पर संदेश प्रसारित किये गये।

संस्कृतिक दलों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

नाको, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित स्क्रिप्ट पर यूसैक्स द्वारा 31 सांस्कृतिक दलों को प्रशिक्षित किया गया। जिसके अन्तर्गत एच0आई0वी0 बचाव पर सूचीबद्ध सांस्कृतिक दलों द्वारा उत्तराखण्ड के समस्त जिलों में जाकर एच0आई0वी0 संक्रमण व बचाव विषय पर नाटिका प्रस्तुती से जागरूकता अभियान चलाया गया।

हैल्प लाईनः– एन0एच0एम0 एवं यूसैक्स द्वारा एच0आई0वी0/एड्स पर जन सामान्य को जानकारी देने के लिए एक टोल फ्री हैल्प लाईन नम्बर 1800–180–1200 सेवा जो वित्तीय वर्ष 2012–13 में शुरू की गई थी उसे इस वर्ष 2014–15 में भी संचालित रखा गया। संस्था द्वारा प्रत्येक माह कॉल के रिकार्ड, ट्रांसक्रिप्ट सहित यूसैक्स को प्रेषित किये गये हैं। उक्त हैल्पलाईन सेवा का प्रचार–प्रसार यूसैक्स व संस्था के स्तर से किया जाता रहा है।

रेलवे स्टेशनों पर स्थापित ग्लोसाइन बोर्ड

बल्क एस0एम0एस0:– यूसैक्स द्वारा कुल 06 लाख एस0एम0एस0 दो अवसरों राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस एवं विश्व एड्स दिवस पर

विभिन्न उपभोगताओं के मोबाईल पर एच0आई0वी0 / एड्स एवं स्वैच्छिक रक्तदान विषय पर एस0एम0एस0 प्रसारित किये गये।

मास मीडिया :

दूरदर्शन : उत्तराखण्ड दूरदर्शन पर एच0आई0वी0 / एड्स विषय पर सामान्य जानकारी, एच0आई0वी0 को मुख्यधारा में लाने के प्रयास, एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों की देखभाल व उपचार, रक्तसुरक्षा कार्यक्रम, रक्तदान प्रोत्साहन, यौन जनित संक्रमण एवं एच0आई0वी0, आई0सी0टी0सी0 (परामर्श एवं जांच केन्द्र) आदि विषयों पर सितम्बर से फरवरी 2014 में प्रति सप्ताह कुल 20 कार्यक्रम, प्रति कार्यक्रम 30 मिनट का सजीव प्रसारण किया गया। जिसमें एच0आई0वी0 / एड्स विषय पर दर्शकों से फोन द्वारा सवाल पूछे गये जिसका उत्तर विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

रेडियो प्रोग्राम : 15 मिनट के 36 लॉग फारमेट रेडियों प्रोग्राम का प्रोडक्शन किया गया। प्रत्येक एपीसोड का प्रसारण सप्ताह में 2 बार आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी, अल्मोड़ा से कुल 108 कार्यक्रम प्रसारित किये गये। प्रत्येक रेडियो कार्यक्रम की अवधि 15 मिनट थी। इसके साथ ही 720 रेडियो जिंगल एवं स्पॉट का प्रसारण दिन में 4 बार आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी, अल्मोड़ा से प्रसारण किया गया है। प्रत्येक रेडियो जिंगल एवं स्पॉट की अवधि 30 सैकेण्ड थी।

आउटडोर मीडिया

ग्लो साइन बोर्ड : रेलवे स्टेशन देहरादून, हरिद्वार एवं ऋषिकेश में एच0आई0वी0 संक्रमण एवं बचाव, यूसैक्स की सेवायें स्वैच्छिक रक्तदान, कलंक एवं भेदभाव के लिए 12 ग्लो साइन बोर्ड सात माह हेतु लगाये गये।

पेसेंजर ट्रेनों पर स्थापित आउटर पैनल

बस बोर्ड द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण पर जागरूकता:– एच0आई0वी0 / एड्स संक्रमण रोकथाम एवं स्वैच्छिक रक्तदान विषय पर गढ़वाल मोटर ऑनर यूनियन की 150 बसों में 5 माह हेतु बस पैनल लगवाये गये। जिससे प्रदेश के दूर दराज के क्षेत्रों में जनमानस तक सूचनायें पहुंचाई गई।

बसो पर स्थापित बस बैक पैनल

टैम्परेरी होर्डिंग :– यूसैक्स द्वारा 80 होर्डिंग विश्व रक्तदाता दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस, राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस एवं विश्व एड्स दिवस पर 05 जनपदों देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंहनगर, नैनीताल एंव पौड़ी में 01 माह हेतु लगवाई गई।

इन्फॉमेशन पैनल एट सर्विस सेंटर:– यूसैक्स द्वारा 680 डिस्पले बोर्ड 170 सर्विस सेंटर विभिन्न चिकित्सालयों, सामुदायिक केन्द्रों में लगवाये गये। जिनमें मुख्यतः एच0आई0वी0 / एड्स व स्वैच्छिक रक्तदान, विषय पर संदेश दिये गये थे।

ग्लो साईन लॉली पॉप बोर्ड:– यूसैक्स द्वारा 98 ग्लो साईन लॉली पॉप बोर्ड विभिन्न सर्विस सेंटर जैसे आई0सी0टी0सी0 ब्लड बैंक, सुरक्षा क्लीनिक, विभिन्न चिकित्सालयों, सामुदायिक केन्द्रों में लगवाये गये। जिनमें मुख्यतः एच0आई0वी0 / एड्स व स्वैच्छिक रक्तदान, विषय पर संदेश दिये गये।

आउटर पैनल ऑन पैसेंजर ट्रेन:– यूसैक्स द्वारा 32 आउटर पैनल 02

विशेष दिवसो पर स्थापित टैम्परेरी होर्डिंग

पैसेंजर ट्रेन पर विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक माह हेतु लगवाये गये थे। जिनमें मुख्यतः एच0आई0वी0/एड्स व स्वैच्छिक रक्तदान, विषय पर संदेश दिये गये।

मिड मीडिया

सांस्कृतिक दलों का प्रशिक्षण एवं फोक प्रस्तुतियां : यूसैक्स द्वारा दिनांक 03 जून 2014 को डिस्ट्रिट सपोर्ट टीम मैम्बर की एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपदों के डी0एस0टी0 मैम्बर द्वारा भाग लिया गया तथा इसी क्रम में 4–6 जून 2014 को सांस्कृतिक दलों के लिए आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में 31 सांस्कृतिक दलों द्वारा भाग लिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नाको, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत स्क्रिप्ट पर इन

संस्कृतिक दल द्वारा एच0आई0वी0/एड्स विषय पर नाटिका प्रस्तुत करते हुए।

दलों को पुनः प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण के उपरान्त चयनित 31 सांस्कृतिक दलों के लोक कलाकारों द्वारा उत्तराखण्ड के दूरदराज के क्षेत्रों में 490 सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गयी। प्रस्तुतियां देने के पूर्व कलाकारों द्वारा गांव व क्षेत्र में घूम–घूम कर लोगों को प्रस्तुतियां देखने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रस्तुतियों के उपरान्त कलाकारों द्वारा प्रश्न उत्तर सत्र का आयोजन किया गया।

आई0ई0सी0 वैन : एच0आई0वी0/एड्स संक्रमण व बचाव, कलंक एवं भेदभाव एवं स्वैच्छिक रक्तदान पर जागरूकता के लिए 2 आई.ई.सी. वैन किराये पर ली गयी। जिनका फ्लैग ऑफ अपर परियोजना निदेशक महोदय, यूसैक्स द्वारा किया गया था। प्रथम चरण में सांस्कृतिक दलों द्वारा प्रस्तुतियां जनपद अल्मोड़ा, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, हरिद्वार एवं उधमसिंहनगर में की गई थी। द्वितीय चरण में जनपद देहरादून बागेश्वर, पिथौरागढ़, चमोली, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी एवं चम्पावत में की गई।

आई0पी0सी0 वर्कशॉपः– यूसैक्स द्वारा 5 दिवसीय आई0पी0सी0 वर्कशॉप टी0आई0 स्टाफ, टी0आई0 आउटरीच वर्कर्स हेतु आई0पी0सी0 स्किल एवं टूल्स पर रूद्रपुर, उधमसिंहनगर में दिनांक 10–14 नवम्बर को आयोजित कराई गई थी। जिसमें नाको से आये प्रतिनिधि ने भी कार्यशाला में प्रतिभाग किया था। उक्त कार्यशाला में कुमाऊँ मण्डल के समस्त टी.आई.एन.जी.ओ. को आमत्रिंत किया गया।

मेगा इवेंटः– यूसैक्स द्वारा मेगा इवेंट एच0आर0जी0 एवं ब्रिज पॉपूलेशन हेतु हल्द्वानी नैनीताल में दिनांक 10 –11 अक्टूबर 2014 को आयोजित किया गया था। इस मेगा इवेंट में विभिन्न हैल्थ कैम्प, एच0आई0वी0 टैस्टिंग, एस0टी0आई0 कैम्प, कॉण्डम वितरण, आई0पी0सी0 सेशन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि गतिविधियां आयोजित कराई गई।

प्रचार–प्रसार सामग्री : इस वर्ष में विभिन्न अनुभागों की आवश्यकता के अनुरूप कई प्रकार के आई0ई0सी0 सामग्री तैयार किये गये। जैसे पोस्टर, लीफलेट, फोल्डर, ब्रोशर, स्टीकर्स, बुकलेट इत्यादि एवं आई0सी0टी0सी0/एफ0आई0सी0टी0सी0, एस0टी0आई हेतु काउन्सिलिंग फिलप बुक व लिंक ए0आर0टी0 केन्द्र हेतु ए0आर0टी0 फिलप बुक छपवाई गई। इस क्रम में समिति कार्यालय द्वारा वर्ष 2015 हेतु

सर्विस सेन्टर में स्थापित ग्लो साईन लौंती पॉप बोर्ड

वार्षिक डायरी भी छपवाई गई। यह सामग्री जनसमुदाय में वितरित किये गये। नाको, भारत सरकार से प्राप्त सामग्री को रेपलिकेट करने का कार्य भी सम्पन्न किया गया।

इवेंट एवं प्रदर्शनी का आयोजनः– वर्ष 2014–15 में विभिन्न इवेंट व प्रदर्शनियों का आयोजन किया गयाः–

पाँच दिवसीय आई0पी0सी0 कार्यशाला का आयोजन (कुमाऊं मण्डल के TI-NGO's)

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस एवं विश्व एड्स दिवस के अवसर पर कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें मुख्यतः रैली, पोस्टर व डिबेट प्रतियोगिता, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया जिसमें मा0 स्वास्थ्य मंत्री, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य, स्वास्थ्य महानिदेशक आदि सहित हजारों छात्र–छात्राओं, सामाजिक संगठनों, सरकारी व गैर सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी एवं अल्मोड़ा से रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। इन अवसरों पर विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में विज्ञापन प्रकाशित किये गये।

इसके साथ ही यूसैक्स द्वारा सात दिवसीय बैकुण्ठ चर्तुदशी मेला, श्रीनगर गढ़वाल में दिनांक 5–11 नवम्बर 2014 तक एच0आई0वी0/एड्स रोकथाम सम्बन्धी विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया एंव आइ0एम0एस0 यूनिसन कॉलेज, देहरादून में भी प्रदर्शनी यूसैक्स द्वारा लगाई गई।

एच0आई0वी0/एड्स रोकथाम सम्बन्धी विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन

ब्लड बैंक हरिद्वार मे स्थापित डिस्पले बोर्ड

एच0आई0वी0/एड्स पर जागरूकता के लिये आई.ई.सी. वैन

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर माननीय स्वास्थ मंत्री जी सम्बोधन देते हुए

रेड रिबन क्लब (एच०आई०वी०/एड्स नियन्त्रण की नई विचारधारा)

युवाओं को इस नये उभरते भारत को आगे ले जाना है। उन्हीं के कन्धों पर देश की अर्थव्यवथा, सामाजिक व्यवस्था और सुरक्षा की जिम्मेवारी है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा एक नवीन पहल के अन्तर्गत देश में एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं में युवाओं को साथ लेकर रेड रिबन क्लबों का गठन किया गया है। यह इसलिए किया गया है कि एच0आई0वी0/एड्स के अधिकांश मामले युवाओं में विशेषकर 15–29 वर्ष के आयु वर्ग के बीच हैं। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि एच0आई0वी0/एड्स के कारण देश की रीढ़ कहे जाने वाले आयु समूह की स्थिति पर्याप्त रूप से विषम हो गई है।

उत्तराखण्ड के परिप्रेक्ष्य में रेड रिबन क्लबों की भूमिका

उत्तराराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति रेड रिबन क्लबों के माध्यम से युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स के संक्रमण से बचाने हेतु कार्ययोजना के अनुरूप निरन्तर प्रगतिशील है। अभी तक प्रदेश में 250 रेड रिबन क्लब उच्च शिक्षण संस्थानों में शुरू किए जा चुके हैं। ये सभी क्लब एच0आई0वी0/एड्स के प्रति जागरूकता प्रचारित करने हेतु अपने स्तर से कार्यशील हैं। समिति द्वारा समय–समय पर इन सभी क्लबों की गतिविधियों का प्रालेखन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन किया जाता है। नई वित्तीय कार्ययोजना (2014–15) के अन्तर्गत एक नयी सोच के तहत प्रदेश के तकनीकी महाविद्यालयी स्तर पर भी रेड रिबन क्लब खोले गये हैं। इन सभी रेड रिबन क्लबों का राष्ट्रीय सेवा योजना की सहायता से चिन्हीकरण किया गया। इस प्रकार प्रदेश में कुल 250 रेड रिबन क्लब युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स से सुरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता

तत्कालीन डॉ. जी.एस. जोशी डी.जी. हैल्थ रेड रिबन क्लबों के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए।

निरन्तर सुनिश्चित कर रहे हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि रेड रिबन क्लब युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स संक्रमण से बचाने का एक कारगर तरीका है। इसके माध्यम से युवा वर्ग निकटतम रूप से बिना किसी हिचकिचाहट के एच0आई0वी0/एड्स के विभिन्न पहलुओं पर पारस्परिक चर्चा कर सकेंगें।

वित्तीय वर्ष 2014–15 में रेड रिबन क्लबों का गठन एवं संचालन

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (युवा प्रकोष्ठ) उत्तराखण्ड के मध्य हुए एम0ओ0यू0 के क्रम में वित्तीय वर्ष 2014–15 में प्रदेश के 250 उच्च शिक्षण संस्थानों में रेड रिबन क्लबों का गठन किया गया।

250 क्लबों में से 170 रेड रिबन क्लबों के गठन एवं संचालन हेतु रू0 7,90,000.00 लाख की धनराशि जिला समन्वयक, एन0एस0एस0, देहरादून एवं 80 रेड रिबन क्लबों के गठन एवं संचालन हेतु रू0 3,60,000.00 की धनराशि वित्त अधिकारी कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल को प्रेषित की गयी।

रेड रिबन के सदस्य द्वारा प्रस्तुत पोस्टर

रेड रिबन क्लबों में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे एच0आई0वी0/एड्स जागरूकता रैली, स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन, क्लब स्तर पर गोष्ठी, स्लोगन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि समय–समय पर आयोजित की गयी। विश्व एड्स दिवस 01 दिसम्बर 2014 को रेड रिबन क्लबों के लगभग 3000 स्वयं सेवियों द्वारा गांधी पार्क से शुरू हुई राज्य स्तरीय एच0आई0वी0/एड्स जागरूकता रैली में प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त यूसैक्स द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में रेड रिबन क्लबों द्वारा समय–समय प्रतिभाग किया जाता रहा है।

रवि शंकर बिष्ट
सहा0निदे0, यूथ अफेयर्स
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2014–15

मेनस्ट्रीमिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम एच0आई0वी0 / एड्स पीड़ित व्यक्तियों के प्रति बढ़ते भेदभाव एवं कलंक के व्यवहार को रोकने हेतु नाको, भारत सरकार द्वारा एच0आई0वी0 को एकमात्र स्वास्थ्य समस्या न मानते हुए एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया गया है। इस चुनौती का सामना करने की सर्वाधिक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम को चिन्हित किया गया है।

रणनीति : मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियन्त्रण समिति के आई0ई0सी0 अनुभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2014–15 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार राज्य में प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये गये।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कराये जाने हेतु राज्य स्तरीय एडवोकेसी एवं एच0आई0वी0 / एड्स विषय पर संवेदीकरण कार्यशालायें एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जाने हेतु रूपरेखा तैयार की गयी एवं यह कार्यक्रम विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कराये गये।

मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एच0आई0वी0 / एड्स विषय को मुख्यधारा में लाने के साथ ही इससे जुड़े कलंक एवं भेदभाव के व्यवहार को दूर करना, इससे जुड़ी भ्रान्तियों को दूर करना एवं एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाना है।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत एच0आई0वी0 / एड्स से सम्बन्धित जानकारी, राज्य में एच0आई0वी0 संक्रमण की वर्तमान स्थिति, यूसैक्स द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी एवं यू0एन0 द्वारा दिये गये स्लोगन **"शून्य की ओर" शून्य हो नये एच0आई0वी0 संक्रमण, शून्य हो भेदभाव एंव शून्य हो एड्स से मृत्यु** के उद्देश्य को पूरा करने का प्रयास किया गया।

एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों की सामाजिक सुरक्षा

एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों हेतु उनके निवास स्थान से ए0आर0टी0 आने–जाने के लिए निःशुल्क बस पास की सुविधा प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में अनुमानित बजट महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को वित्तीय वर्ष 2015–16 मांग हेतु प्रेषित किया गया। जिसके सापेक्ष राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2015–16 के बजट में धनराशि का प्राविधान किया जाना है।

एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि समाज में व्याप्त भेदभाव एवं कलंक के व्यवहार के दूर होने से एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकते हैं। वर्ष 2014–15 के दौरान इन कार्यक्रमों के द्वारा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को एच0आई0वी0/एड्स विषय पर जागरूक एवं एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ हो रहे व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु सम्पूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं।

इन प्रशिक्षणों के द्वारा एच0आई0वी0/एड्स को मुख्य धारा में लाने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। इन्ही प्रयासों के क्रम में यूसैक्स द्वारा उत्तराखण्ड पंचायती राज के ट्रेनिंग मॉडयूल में एच0आई0वी0/एड्स को मुख्य विषय के रूप में सम्मिलित कराया गया है।

वित्तीय वर्ष 2014–15 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार राज्य में विभिन्न विभागों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसके अन्तर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु संवेदीकरण कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मेनस्ट्रीमिंग रिपोर्ट 2014–15

क्र0सं0	विभाग/संस्थान	प्रतिभागी
1.	डिस्ट्रिक्ट जेल, देहरादून	67
2.	डिस्ट्रिक्ट जेल, हरिद्वार	46
3.	रेलवे देहरादून	106
4.	रेलवे हरिद्वार	116
5.	एफ0आर0आई0	53
6.	नेहरू युवा केन्द्र, अल्मोडा	42
7.	नेहरू युवा केन्द्र, देहरादून	33
8.	आई0टी0बी0पी0 देहरादून	117
9.	बार एसोसियेशन, देहरादून	75
10.	लाल बहादुर शास्त्री एकेडमी, मसूरी	98
11.	इन्डस्ट्री डिपार्टमेन्ट, देहरादून	78
12.	डी0आई0पी0आर0 सूचना विभाग	52
13.	यू0टी0सी0 मुख्यालय, देहरादून	76
14.	यू0टी0सी0 वर्कशाप, देहरादून	85
15.	यू0टी0सी0 वर्कशाप, काठगोदाम	81
16.	यूथ वेलफेयर डिपार्टमेन्ट	29
17.	लेबर डिपार्टमेन्ट, देहरादून	37
18.	पर्यटन विभाग, देहरादून	69
19.	पंचायती राज विभाग, हरिद्वार	114
20.	पंचायती राज विभाग, देहरादून	84
21.	पंचायती राज विभाग, नैनीताल	62
22.	पुलिस विभाग, हरिद्वार	77
23.	महिला समाख्या, देहरादून	33
24.	पी0एल0एच0आई0वी0 देहरादून	53
25.	पी0एल0एच0आई0वी0 हल्द्वानी	50
	कुल	**1733**

वित्तीय वर्ष 2014–15 में यूसैक्स द्वारा सीधे स्तर पर 25 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 1733 विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एच0आई0वी0/एड्स को मुख्यधारा में लाने एवं एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों के साथ हो रहे कलंक एवं भेदभाव के व्यवहार को दूर करने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। साथ ही यूसैक्स द्वारा दी जा रही सेवाओं के सम्बन्ध में जानकारी तथा राज्य में एच0आई0वी0संक्रमण की वर्तमान स्थिति के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी।

प्रशिक्षण के दौरान दी गयी जानकारी के पश्चात विभागों द्वारा उक्त जानकारी को बहुत ही महत्वपूर्ण स्वीकार करते हुए यह आश्वासन दिया गया कि उनके विभाग या आसपास के समाज में यदि कहीं एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव का व्यवहार होता है तो वह इस विषय पर जानकारी यूसैक्स को उपलब्ध करायेंगे और स्वयं भी प्रयास करेंगे। यूसैक्स द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी भी अधिकतम लोगों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात ही प्राप्त हुई। विभागों के अधिकारियों द्वारा कई व्यक्तियों को आई0सी0टी0सी0 एच0आई0वी0 जाँच हेतु भी भेजा गया और संक्रमित पाये जाने पर ए0आर0टी0 की दवाई लेने को भी प्रेरित किया गया।

वर्ष 2014–15 में मेनस्ट्रीमिंग डिविजन के प्रयासों द्वारा राज्य सरकार द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों हेतु निःशुल्क बस पास सुविधा हेतु रू0 35 लाख के बजट का प्राविधान किया गया है। मुख्यधारा प्रशिक्षण के पश्चात पंचायती राज विभाग के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण माड्यूल में एच0आई0वी0/एड्स सम्बन्धित आवश्यक जानकारी सम्मिलित करायी गयी।

मेनस्ट्रीमिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित कार्यशालाएँ

देखभाल, सहयोग एवं उपचार (Care Support & Treatment)

HIV/AIDS के साथ जी रहे लोगो के लिए देखभाल, सहायता और उपचार सुविधा

यह कार्यक्रम अवसरवादी संक्रमणों की रोकथाम और उपचार, एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी, मानसिक और सामाजिक सहायता, घर–आधारित देखभाल और संक्रमण के प्रभाव को कम करने के लिए पीएलएचए को व्यापक प्रबंधन उपलब्ध करवाता है।

एच.आई.वी./एड्स के प्रसार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से भारत सरकार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (NACP) को 100 प्रतिशत केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित कर रही है। एंटी रेट्रोवायरल उपचार (ART) की व्यापक पंहुच के परिणामस्वरूप एड्स संबंधित कारकों के कारण मरने वाले लोगों की अनुमानित संख्या में गिरावट आई है।

भारत में ए.आर.टी. कार्यक्रम की शुरूआत 01–अप्रैल–2004 को की गयी थी। ए.आर.टी. के लिए राष्ट्रीय मार्ग निर्देशों को वर्ष 2004 में पहली बार प्रकाशित किया गया और फिर मई 2007 में इन्हें संशोधित किया गया। यह दिशा निर्देश (Guidelines) वयस्कों और बच्चों के लिए अलग–अलग बनाये गये है। नाको के दिशा निर्देश विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के दिशा निर्देशों को आधार बनाकर तैयार किये गये और यह सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण का पालन करते है। ये दिशा निर्देश सरलीकृत प्रथम पंक्ति (First Line ART) और दूसरी पंक्ति (Second Line ART) के ए.आर.टी. उपचार का प्राविधान करते है।

नाको के अनुमान के अनुसार 2004 से निःशुल्क ए.आर.टी. के विस्तार ने देश में 2011 तक एड्स संबंधित कारणों से होने वाली मौतो को टालकर 1.5 लाख से अधिक लोगो के जीवन की रक्षा की है। ए.आर.टी. के व्यापक उपयोग के परिणाम स्वरूप अनुमानित वार्षिक एड्स संबंधित मौतो में वर्ष 2007 में 2.07 लाख मौतों की संख्या घटकर वर्ष 2011 में 1.48 हो गई है और इस प्रकार 29 प्रतिशत की गिरावट आई है।

संक्रमित व्यक्ति में निम्न रूग्णता और मृत्यु साथ ही एच.आई. वी. संचरण की निम्न सम्भावनाओं की दृष्टि से पी.एल.एच.आई.वी (People Living with HIV/AIDS) को लाभ प्रदान करने के लिए उच्चतर सी.डी.4 काउन्ट (वर्तमान में <350 की तुलना में <500) पर ए. आर.टी. उपचार शुरू की जाएगी। इसके अलावा टी.बी. के सभी रोगियों, गर्भवती महिलाओं, 5 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों के लिए चाहें उनका सी.डी.4 काउन्ट कुछ भी हो, आजीवन ए.आर.टी. की शुरूआत की जायेगी।

- शुरू में ही उपचार विफलता का पता लगाने के लिए समय–समय पर वाइरल जांच भार के माध्यम से रोगियों की बेहतर मॉनीटरिंग के लिए एक प्रणाली तैयार करना।
- दूसरी पंक्ति की ए.आर.टी. विफलता के मामले में रोगियों के लिए तीसरी पंक्ति की ए.आर.टी. की व्यवस्था करना।
- ये दिशानिर्देश हमे एच.आई.वी. उपचार को सभी की पहुच में लाने, माँ से शिशु को एच.आई.वी. संचरण को समाप्त करने, एच.आई.वी./एड्स के कारण होने वाली मृत्यु और नये संक्रमणों में और अधिक कमी लाने के हमारे लक्ष्य हासिल करने में मदद करेंगे।

यह कार्यक्रम अवसरवादी संक्रमणों की रोकथाम और उपचार, एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (Antiretroviral Therapy) मानसिक और सामाजिक सहायता, घर–आधारित देखभाल और संक्रमण के प्रभाव को कम करने के लिए पीएलएचए को व्यापक प्रबंधन उपलब्ध करवाता है। उक्त कार्यक्रम का उददेश्य एच.आई.वी. सक्रमित व्यक्ति में होने वाले रोग (टी.बी, डायरिया, निमोनिया, चर्मरोग, मुह में छाले, कैंसर इत्यादि) को बढ़ने से रोकना तथा रोग–प्रतिरोधक क्षमता (CD4) को बढ़ाना है। संक्रमित व्यक्ति के जीवन स्तर को सुधारना है।

CD-4 (Cluster of differentiation) -

CD4 की खोज 1970 में की गयी थी। किसी आम व्यक्ति में सी. डी.4 की संख्या 600 से 1300 तक हो सकती है। CD4 एक प्रकार का ग्लाइकोप्रोटीन है जो सफेद रक्तकोशिकाओं का एक भाग है जो T-helper cell, Monocytes, Macrophages (मैक्रोफेज) के सतह पर होता है।

HIV का वाईरस CD4 को धीरे–धीरे नष्ट करता है तथा संक्रमित व्यक्ति में CD4 की संख्या 350 से कम होने पर ए.आर.टी. की दवा आरम्भ करने की सलाह दी जाती है। एच.आई.वी. सक्रमित व्यक्ति में CD4 की संख्या के आधार पर रोग का निदान होता है।

एच.आई.वी संक्रमित व्यक्ति में CD4 की संख्या 250 से कम होने पर अवसरवादी संक्रमण (Opportunistic Infection) की सम्भावनायें बढ़ जाती है, जिसमें मुख्य TB (Tuberculosis), Fungal Pneunomia है, जो उचित समय पर उपचार न करने पर जानलेवा हो सकती है। ए.आर.टी. की दवा समय पर लेने से CD4 की संख्या धीरे–धीरे बढ़ती है। यह देखा

गया है कि संक्रमित व्यक्ति की नियमित रूप से ए.आर.टी. की दवा सेवन करने से CD4 की संख्या 200 से बढ़कर 800 तक हुई है। जिससे उनकी जीवन शैली की गुणवत्ता में सुधार आया है। एक साल से कम आयु के बच्चों में CD4 की संख्या 2000–3000 होती है और इन में ए. आर.टी. का उपचार बिना CD4 जांच के ही शुरू कर दिया जाता है।

एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों (पी.एल.एच.ए) की देखभाल, सहायता और इलाज के अंतर्गत दी जाने वाली मुख्य सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :–

- ए.आर.टी. केन्द्रों पर पी.एल.एच.ए. के लिए पूर्व–पंजीकरण और ए.आर.टी. पूर्व सेवाएं।
- ए.आर.टी. की पात्रता का निर्धारण शारीरिक परीक्षण तथा सीडी–4 गणना के आधार पर निःशुल्क दवा का प्राविधान।
- प्रथम श्रेणी ए.आर.टी. का प्राविधान सभी पात्र पी.एल.एच.ए और सी.एल.एच.ए. के लिये।
- दवा अनुपालन की समीक्षा द्वारा ए.आर.टी. का फॉलो–अप, नियमित रूप से एआरटी केन्द्र जाना और लगातार आवश्यक परीक्षण और सीडी–4 की गणना (हर 6 महीने में) करना।
- अवसरवादी संक्रमण उपचार।
- पहली पंक्ति और दूसरी–पंक्ति ए.आर.टी. का प्राविधान उनके लिये जो दवा दुष्परिणाम और उपचार विफलता का अनुभव कर रहे हों।

एच0आई0वी0/एड्स पीड़ितों को तीन दवाओं का मिश्रण दिया जाता है। दवा पालन के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक केन्द्रों को दवाओं की आपूर्ति में निरंतरता है। सभी एआरटी दवाओं के लिए निगरानी, सभी केन्द्रों पर मासिक खपत और भंडार पर आधारित होती है।

दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी एआरटी केंद्रों पर कम से कम 3 महीने की दवाओं का स्टॉक होना चाहिये। स्टॉक में कमी होने पर, दवाओं का री–लोकेशन किया जाता है यह सुनिश्चित करने के लिये कि दवाइयों की कमी तो नहीं हैं। एआरटी दवाओं और सीडी–4 किटों की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, एक समर्पित आपूर्ति श्रृंखला टीम द्वारा किया जाता है जिसे नाको द्वारा नियुक्त किया जाता है।

उत्तराखण्ड में दो एंटी रेट्रोवायरल थैरपी (ए.आर.टी.) केन्द्र स्थापित है :–

1. दून चिकित्सालय, देहरादून। दूरभाष : 0135–2655529
2. डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय, हल्द्वानी (नैनीताल), दूरभाष : 05946–235609

एंटी रेट्रो वायरल थैरपी केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य एच. आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों को एंटी रेट्रो वायरल (ए.आर.टी) उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। उक्त केन्द्र में एच.आई.वी/एड्स पीड़ितों को एंटी रेट्रो वायरल दवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती है। एच.आई.वी. के विषाणु संक्रमित व्यक्ति के रक्त में वृद्धि करते हैं। विषाणु रक्त में सीडी–4 कोशिकाओं (रोग प्रतिरोधक प्रणाली) को नष्ट करते है। एंटी रेट्रो वायरल दवाएं लेने से रोगी की आयु तो बढ़ जाती है, लेकिन उसे रोग मुक्त नहीं किया जा सकता।

ए.आर.टी. केन्द्र में प्रत्येक 6 माह में एक बार संक्रमित व्यक्ति की सी.डी.4 कोशिका की जांच की जाती है साथ ही परामर्श के जरिये अवसरवादी संक्रमण को रोकने की जानकरी तथा आहार–पोषण से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की जाती है। अवसरवादी संक्रमण (Opportunistic Infection) की उपचार सुविधा प्रदान की जाती है।

केन्द्र में पंजीकृत व्यक्ति को प्रथम श्रेणी दवा (First Line Drugs) प्रदान की जाती है, वर्तमान दवा के दुष्परिणाम (Side effect) और उपचार में विफलता के पता चलने के बाद रोगी को द्वितीय श्रेणी दवा (Second Line Drugs) आरम्भ की जाती है। जिसके लिए अब तक रोगियों को नई दिल्ली सन्दर्भित किया जाता रहा है परन्तु वर्तमान में दून चिकित्सालय, देहरादून में भी उक्त सुविधा आरम्भ की जा चुकी है। उत्तराखण्ड में स्थापित ए.आर.टी. केन्द्रों में मार्च 2015 तक पंजीकृत एवं दवा प्राप्त व्यक्तियों की संख्या :–

S. No.	Name of the ART Center	Report Duration	Patients on Pre-ART (HIV Care)	Patients Ever started on ART	Patients currently on_ART
1.	Doon Hospital, Dehradun	Aug. 2006 to March, 2015	2708	1903	1347
2.	Dr. S.T.G. Hospital, Haldwani, Nainital	Apr. 2010 to March, 2015	1655	1261	884
Total			4363	3164	2231

वित्तीय वर्ष 2014–15 में ए.आर.टी. केन्द्रों में कुल 735 नये पंजिकरण किये गये एवं कुल 621 व्यक्तियों की दवा आरम्भ की गयी, जिसका केन्द्रवार ग्राफ विवरण निम्नवत है:–

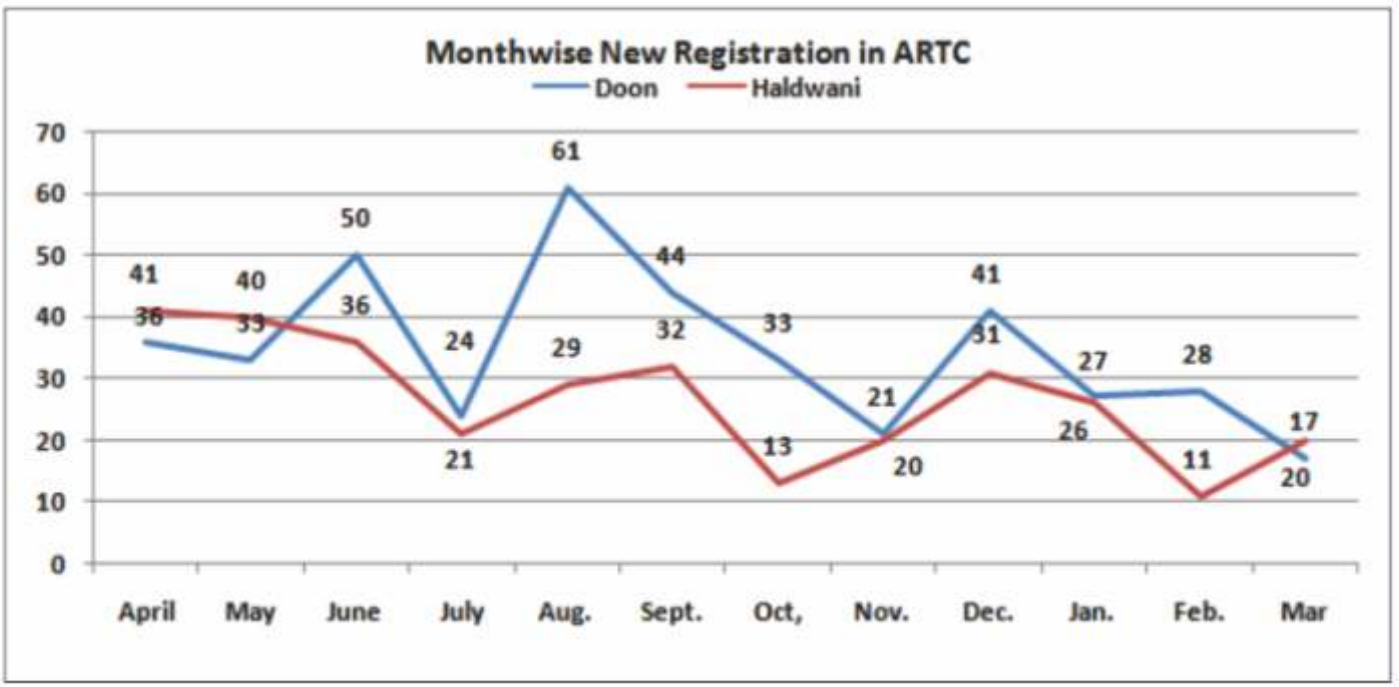

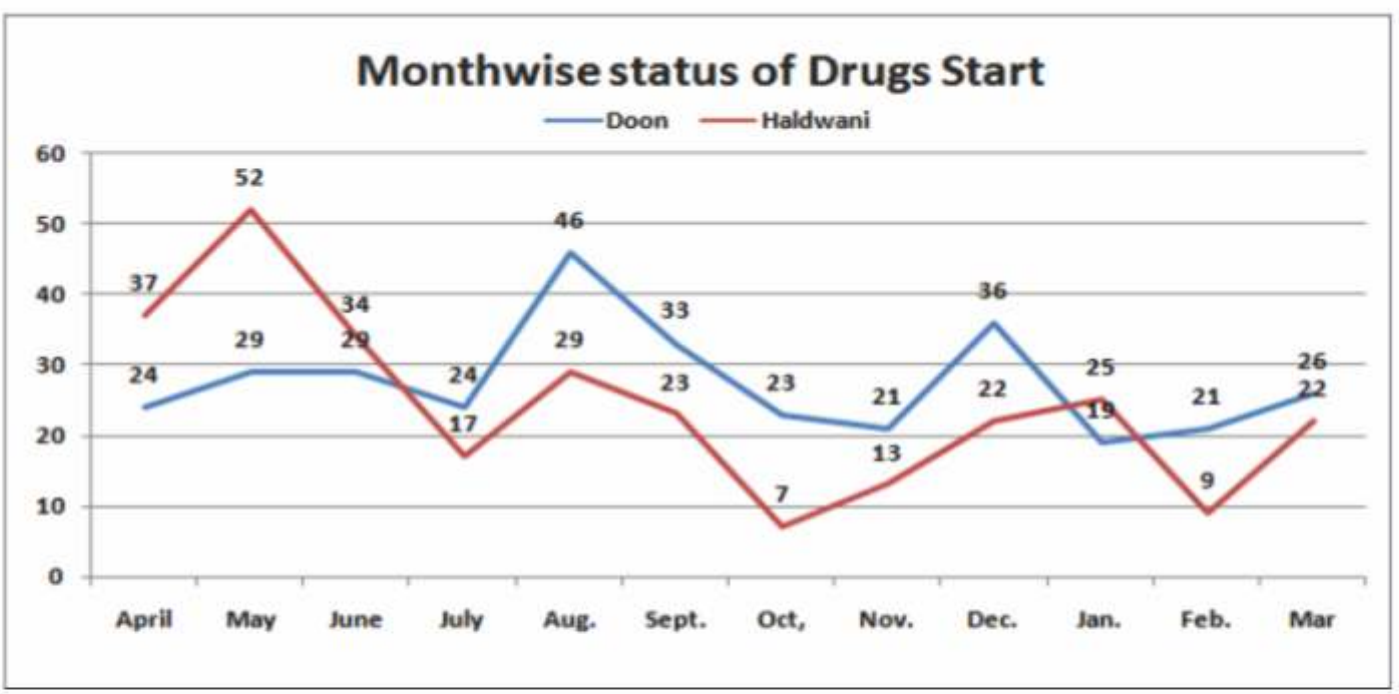

ए.आर.टी. केन्द्रों में मार्च 2015 तक कुल 4363 व्यक्ति पंजीकृत एवं कुल 2231 व्यक्तियों की ए.आर.टी. दवा आरम्भ प्राप्त रोगियों का जनपदवार विवरण निम्नानुसार है:–

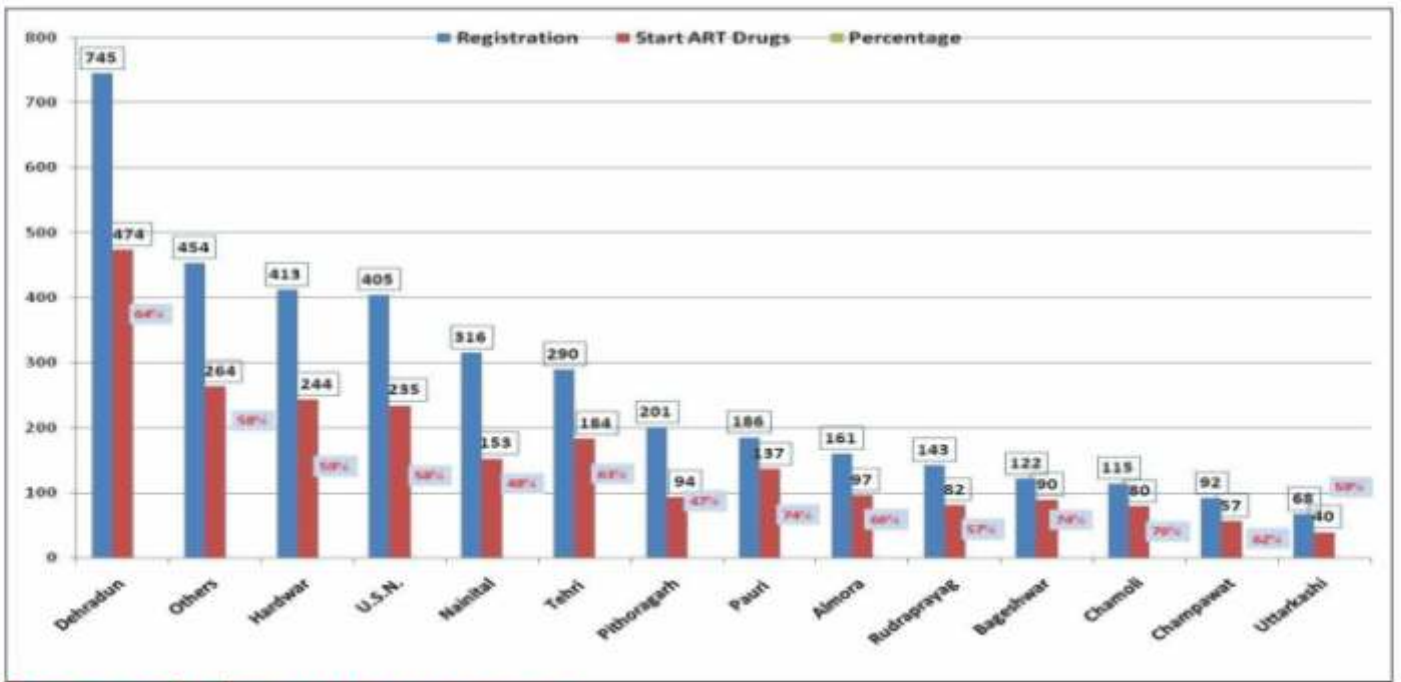

लिंक ए.आर.टी. केन्द्र (Link ART Center)

ए.आर.टी. लेने हेतु व्यक्तियों को औषधि हेतु ए.आर.टी. केन्द्र में आने के लिए अधिक दूरी की यात्रा करनी पड़ती है। चूंकि यह उपचार जीवन भर चलाना अनिवार्य है और निर्धारित औषधियां माह में एक बार वितरित की जाती है, और औषधि हेतु संक्रमित व्यक्ति को हर बार ए.आर.टी. केन्द्र में आना पड़ता है, इन सभी समस्याओं को मध्यनजर रखते हुए नाको–भारत सरकार द्वारा ए.आर.टी. की दवा प्रदान करने का एक विकल्प निकाला है जो लिंक ए.आर.टी. केन्द्र के नाम से जाना जाएगा। वर्तमान में 15 लिंक ए.आर.टी. केन्द्र (जिला चिकि0–पिथौरागढ़, हरिद्वार, बौराड़ी(टिहरी), बागेश्वर, उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, गोपेश्वर (चमोली), पौड़ी अल्मोड़ा, बेस चिकि–श्रीनगर, सयुक्त चिकि0– काशीपुर(उ0सि0न0), कोटद्वार,(पौड़ी), रूड़की सी.एच.सी.–लोहाघाट(चम्पावत), खटिमा(उ.सि.न.) एवं एच.आई.एच.टी. जौली ग्रान्ट देहरादून में स्थापित है। उक्त केन्द्रों में कुल 403 व्यक्ति दवा प्राप्त कर रहे है, जिनका केन्द्रवार विवरण निम्नानुसार है :–

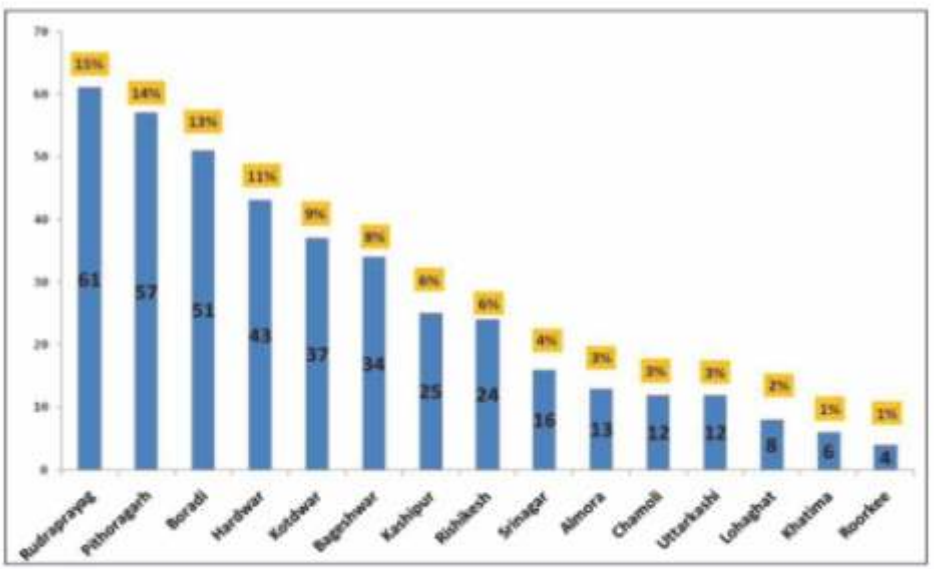

108 परिवहन सेवा द्वारा एच.आई.वी. संक्रमित गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को ए.आर.टी. केन्द्र आने–जाने हेतु निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की गयी है।

एच.आई.वी. संक्रमित पाये जाने की स्थिति में उपचार/दवा/सी.डी.4 जांच हेतु लाभार्थी के निवास स्थान से सम्बन्धित ए.आर.टी. केन्द्र (दून चिकित्सालय, देहरादून एवं डॉ0 सुशीला तिवारी, राजकीय मेडीकल कॉलेज, हल्द्वानी, नैनीताल) में नियमानुसार आने–जाने की निःशुल्क यात्रा सुविधा एन.एच.एम. के अन्तर्गत 108 परिवहन सेवा द्वारा प्रदान की गयी है। माह सितम्बर 2013 से मार्च 2015 तक निम्नलिखित लोगों ने सेवाओं का लाभ उठाया :–

ART Center	Pregnant	Children	Total
Doon Hospital Dehradun	18	422	440
Dr. S.T.G.M.C. Haldwani (Nainital)	13	138	151

जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़ में Facility Integrated ART Center की स्थापना की जा रही है। मरीजों को दवा लेने एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने और उनकी यात्रा दूरी को कम करने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय पिथौरागढ में FI-ART की स्थापना की जा रही है। जहाँ पर मरीजों को दवा वितरित की जायेगी एवं उनके स्वास्थ्य की जॉच की जायेगी, तथा उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की निगरानी की जायेगी।

केयर सर्पोट सेन्टर

राज्य में दो सीएससी की स्थापना देहरादून एवं नैनीताल जनपद के हल्द्वानी में की गयी है। वह मरीज जो ए.आर.टी. में दवा खाना छोड़ देते उनको खोजने, परामर्श प्रदान करने एवं ए.आर.टी. केन्द्र से जोड़ने का कार्य करते है। अन्य आवश्यक कार्य जैसे उनके पहचान पत्र बनाना, राशन कार्ड बनाना, वृद्धावस्था पेंशन बनवाना अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बनवाने का सहयोग किया जाता है।

होप विहान चिल्ड्रन सीएससी

नाको द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशानुसार विहान प्रोजेक्ट के सहयोग से एच.आई.वी. संक्रमित बच्चों को पोषण/आहार प्रदान किया जा रहा है। उक्त परियोजना अगस्त 2013 से आरम्भ की गयी है अब तक कुल 84 (बालक–57, बालिका–27) बच्चों को निःशुल्क आहार प्रदान किया जा रहा है।

विहान प्रोजेक्ट के अन्तर्गत की जा रही गतिविधियाँ

लैब सर्विसेज़ अनुभाग

नाको, भारत सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड राज्य में State Reference Laboratory (SRL) हिमालयन इन्स्ट्टीयूट ऑफ मेडिकल साईन्स, स्वामी रामनगर, डोईवाला, देहरादून में स्थापित की गयी है जिसमें प्रत्येक आई0सी0टी0सी0 एवं ब्लड बैंक से त्रैमासिक EQUAS (External Quality Assurance Scheme) हेतु त्रैमास के प्रथम सप्ताह के 5 प्रतिशत ऋणात्मक एवं 20 प्रतिशत धनात्मक रक्त नमूने भेजे जाते है जिससे आई0सी0टी0सी0 एवं ब्लड बैंक में की गयी जाँच की गुणवत्ता बनी रहे। यह लैब राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड से प्रमाणित है।

गतिविधि :–

- दिनांक 22 अगस्त 2014 को स्टेट रेफरेन्स लैबोरेट्री (एस0आर0एल0) हिमालयन इन्स्ट्टीयूट ऑफ मेडिकल साईन्स, स्वामी रामनगर, डोईवाला, देहरादून में एकदिवसीय EQAS (External Quality Assurance Scheme) प्रशिक्षण कराया गया जिसमें नाको सहायतित रक्तकोष के 15 लैब टैक्निीशियन द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- लैब सेवाओ की राष्ट्रीय बैठक दिल्ली में भाग लिया गया।
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित HSS मास्टर ट्रेनर के 2 दिनों के प्रशिक्षण में भाग लिया तथा हल्द्वानी व देहरादून के एम0ओ0, परामर्शदाता और लैब तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया गया।
- आई0सी0टी0सी0 केन्द्रो से 90 प्रतिशत साप्ताहिक एच0आई0वी0 टेस्ट किट की रिपोर्टिंग सुनिश्चित की गई।
- ए0आर0टी0 से 100 प्रतिशत साप्ताहिक सी0डी0–4 टेस्ट किट की रिपोर्टिंग सुनिश्चित की गई।

स्टेट रेफरेन्स लैबोरेट्री (एस0आर0एल0) में निम्न कर्मचारी/अधिकारी कार्यरत है:–

क्रम संख्या	राज्य	कर्मचारी/अधिकारी का नाम	पदनाम	मोबाईल नम्बर	ई–मेल
1.	उत्तराखण्ड	श्री विजय कुमार	टैक्नीकल ऑफिसर	9719576401	vijaylabtech1981@gmail.com, srl.uk.hims@gmail.com
2.		श्री आशीष ममगाई	लैब टैक्नीशियन	7579010560	ashish.mamgai@gmail.com, srl.uk.hims@gmail.com

हिमालयन इन्स्ट्टीयूट ऑफ मेडिकल साईन्स, स्वामी रामनगर, डोईवाला, देहरादून में स्थापित State Reference Laboratory (SRL)

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

USACS bags "Award of Excellence"

...launches toll free line for HIV/AIDS info

HT Correspondent

परोपकार की अनूठी मिसाल है रक्तदान : नेगी

Regular blood donation has no bad health effects'

Absconding medical officers to face action

एड्स नियन्त्रण समिति "यूसेक्स" समारोह का आयोजन

AIDS sensitisation rally in Doon

HT Correspondent

Students of Nursing College take out an awareness rally in Dehradun on Monday.

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

स्वैच्छिक रक्तदान के लिए उत्तराखंड को मिला सम्मान

आई.ई.सी. सामग्री

यौनजनित रोग
कुछ आवश्यक जानकारी
suraksha clinic
सुरक्षा क्लीनिक
USACS
वार्षिक प्रतिवेदन
2013 -14
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति
एच आई वी संक्रमित गर्भवती महिला से शिशु में वायरस का संचार तीन अवस्थाओं में हो सकता है।
गर्भावस्था में 1
प्रसव के समय 2
स्तनपान से 3
गर्भवती महिला एच आई वी जांच के लिये अपने क्षेत्र की आशा कार्यकत्री से संपर्क करें
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण
अधिक जानकारी के लिए टॉल
कैसी घबराहट, कैसा शरमाना
यौन रोग का पूरा इलाज कराना
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

आई.ई.सी. सामग्री

एच.आई.वी. एक वायरस है
जो मनुष्य में बीमारियों से लड़ने की क्षमता
को खत्म कर देता है।
एच.आई.वी. संक्रमण
4 तरह से होता है
एच.आई.वी. व एड्स
मुस्कुराते हुए रक्तदान कीजिये
और
जीवन बचाइये
एच.आई.वी./(HIV) संक्रमित व्यक्ति के साथ खेलने,
खाने या रहने से एच.आई.वी. संक्रमण नहीं होता।
संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नाइंसाफी है।
एच.आई.वी./एड्स पर अधिक
जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाईन
सेवा 1097 पर कॉल करें।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
एच.आई.वी. संक्रमण है तो घबराएं नहीं,
अपनाएं नियमित जीवन, उपचार और देखभाल

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति में तैनात समस्त अधिकारी/कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	फोन नं0
1	डा0 नीरज खैरवाल	परियोजना निदेशक,	0135–2608885
2	डा0 राजेन्द्र कुमार पाण्डेय	अपर परियोजना निदेशक	9719284169
3	डा0 कल्पना गुप्ता	संयुक्त निदेशक, रक्त सुरक्षा	9412933991
4	श्री अनिल कुमार सती	संयुक्त निदेशक, आई0ई0सी0	8392906108
5	श्री एम0पी0 सती	उप निदेशक (वित्त)	9412114314
6	श्री संजय बिष्ट	उप निदेशक (टी0आई0)	9012100044
7	श्री गगनदीप लूथरा	सहायक निदेशक (मानीटिरिंग एण्ड इवैल्यूएशन)	9897604375
8	श्री डी0के0 गुप्ता	सहायक निदेशक (वित्त)	9897055969
9	श्री रमेश चन्द्र बलोदी	सहायक निदेशक (क्रय)	9410393690
10	श्रीमती पार्वती पाण्डेय	सहायक निदेशक (वी0बी0डी0)	9759397433
11	श्री जसवन्त सिंह बिष्ट	स्टोर अधिकारी	7500758222
12	श्री प्रदीप हटवाल	सहायक निदेशक (क्वालिटी मैनेजर)	8474909998
13	श्री सुरेन्द्र सिंह बिष्ट	लेखाकार	9410783636
14	श्री सुनील कुमार सिंह	सहायक निदेशक (आई0सी0टी0सी0)	9012240008
15	श्री ओम प्रकाश सिंह	सहायक निदेशक, (टी0आई0)	7500657555
16	श्री रवि शंकर बिष्ट	सहायक निदेशक (यूथ अफेयर)	8909021936
17	श्री सौरभ सहगल	सहायक निदेशक (डाक्यूमेन्टेशन एण्ड पब्लिसिटी)	8393888894
18	श्रीमती पदमिनी मल्होत्रा	सहायक निदेशक (सोशल प्रोटेक्शन मैनस्ट्रीमिंग)	8923000834
19	श्री वरूण शाही	सहायक निदेशक (एल0एस0)	7500919777
20	श्री अनूप कुमार डिमरी	वैयक्तिक सहायक	9410150472
21	श्री अरविन्द सती	कनिष्ठ लिपिक	9456372534
22	श्री मुकेश कुमार चनालिया	प्रोक्योरमेन्ट सहायक	7500706555
23	श्रीमती सोनम रावत	कम्प्यूटर लिटरेट स्टैनो	9286040457
24	श्रीमती निधि डंडरियाल	कम्प्यूटर लिटरेट स्टैनो	8126138255
25	श्री जयकृत सिंह	अनुभाग सहायक	9761716126
26	श्री सुशील पैन्युली	अनुभाग सहायक	7500670111
27	श्री जगदीश अधिकारी	अनुभाग सहायक	9634499741
28	श्री विनोद कुमार	अनुभाग सहायक	8126092022

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति में तैनात समस्त अधिकारी/कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	फोन नं0
29	श्रीमती मीनाक्षी भण्डारी	अनुभाग सहायक	7500016655
30	श्री बिरेन्द्र सिंह बिष्ट	अनुभाग सहायक	7351228999
31	श्री गिरीश जोशी	अनुभाग सहायक	7500236644
32	श्री अजय सुन्दरियाल	अनुभाग सहायक	9997291412
33	श्री शिवप्रकाश धरमाना	अनुभाग सहायक	9690662713
34	श्री दिगम्बर सुन्द्रियाल	अनुभाग सहायक	9997763906
35	श्री नवीन चन्द्र तिवारी	अनुभाग सहायक	7500160333
36	श्री प्रदीप सती	अनुभाग सहायक	9412409435
37	श्री बहादुर चन्द	वाहन चालक	9411153839
38	श्री गणेश गुरूंग	वाहन चालक	9897493850
39	श्री हरीश सिंह नेगी	मैसेन्जर	9897933708
40	कु0 सोनी भट्ट	जूनियर एकाउन्ट असिस्टेन्ट, एस0बी0टी0सी0	9634431418
41	सुश्री शकुन्तला गैरोला	कार्यालय सहायक, एस0बी0टी0सी0	8192854922
42	श्री उमेद सिंह कठैत	वाहन चालक एस0बी0टी0सी0	9837779568
43	श्री प्रवीन कुमार	अनुसेवक, एस0बी0टी0सी0	8936988501
44	श्री अनिल दत्त भट्ट	अनुसेवक, एस0बी0टी0सी0	9634703634
45	श्री अवतार सिंह	सिक्योरिटी गार्ड	7500253425
46	श्री देवेन्द्र चन्द	चतुर्थ श्रेणी	9458125929
47	श्री कल्याण राम	चतुर्थ श्रेणी	7500777445
48	श्री मंगल प्रसाद उनियाल	चतुर्थ श्रेणी	9627229101

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत कार्यरत गैर सरकारी संस्थाओं (NGOs) की सूची (2014-15)

क्र. स.	जनपद	संस्था का नाम	पता	परियोजक निदेशक का नाम एवं फोन न.
1.	अल्मोड़ा	ग्रामीण समाज कल्याण समिति	तल्ला चिनाखान, अल्मोड़ा	श्री गोपाल सिंह चौहान, 9412436325
2.	बागेश्वर	ग्रामीण उत्थान समिति	ग्राम एवं कपकोट, तहसील–कपकोट, जिला बागेश्वर प्रोजेक्ट आफिसः नियर जिला चिकित्सालय, बागेश्वर	श्री धनपाल शाही, 8755645195
3.	चम्पावत	एसोशिएसन फार पीपल एडवान्समेन्ट एण्ड एक्शन रिसर्च	C/o श्री अशोक तिवारी, चण्डी चण्डी नगर, कारकी फार्म, आम बाग, टनकपुर, चम्पावत	श्री सुभाष जोशी, 9634566787
4.	चमोली	बाल एव महिला कल्याण समिति	दिवा सदन, कृष्णा कालोनी, सुभाष नगर, गोपेश्वर, चमोली	श्री दिनेश कण्डवाल 9012962718
5.	देहरादून	हर्बटपुर, क्रिश्चियन हास्पिटल	C/o कमलजीत कम्बोज, 38/64 बकरालवाला, नेशविला रोड़, देहरादून।	श्री राबर्ट कुमार, 01360–250260, 9412050738
6.		सोसाइटी फार वालेण्ट्री एप्रोच इन रूरल डेवलपमेन्ट एक्शन	इन्दरपुर, पो0ओ0–बद्रीपुर, देहरादून–248005। प्रोजेक्ट आफिसः दीप नगर, देहरादून।	श्री जी0एन0एस0 गुरूदत्त, 9412059310
7.		बालाजी सेवा संस्थान	लेन नं0–सी–18, टर्नर रोड़, क्लेमेनटाउन, देहरादून। प्रोजेक्ट आफिसः हाउस नं0– 12, चमनपुरी, निरंजनपुर, माजरा, देहरादून।	श्री अनूप जौहर, 9412004245
8.		सोसाइटी फार एनवायरनमेंट एण्ड डेवल्पमेंट	30/1 धर्मपुर, देहरादून।	श्रीमती कुसुम घिल्डियाल, 01356536099 9412027279, 9412325403
9.		फैन्ड्स आफ सोसियो डेवल्पमेंट सोसायटी	चकराता रोड़, नियर हिल व्यू होटल, त्यूनी, ब्लाक–चकराता, जनपद– देहरादून।	श्री अखिलेश ब्यास 9412952797
10.	हरिद्वार	फोरम फार रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चुअल इन्वायरमेन्ट एण्ड नेशनल डेवलपमेन्ट सोसाइटी	म0नं0–344, एम.आई.जी., विवेक विहार कालोनी, ज्वालापुर, हरिद्वार	श्री ए0के0 शर्मा 9412073651, 01334–224275
11.		अम्बुजा सीमेन्ट फाउन्डेशन	ग्राम लकेश्वरी, सिकन्दरपुर, मैंसवाल, परगना भगवानपुर, रूड़की	श्री रंजन कपूर, 01332–282218, 8126929976

12.		हिमालयन इन्सटिट्यूट फार रूरल अवेकनिंग	राजन ठाकुर हाउस, बिहाइन्ड काली मन्दिर, सुनहरा रोड़, रूड़की, जनपद–हरिद्वार।	श्री दिलीप कुमार सिंह 9412989157
13.		आदर्श युवा समिति	लक्सर रोड़, जगजीतपुर, पोस्ट–कनखल, जनपद–हरिद्वार।	श्री लखबीर सिंह, 9719008423
14.		चौखम्बा	8/13 लेन नं0–ए–3, टिहरी विस्थापित कालोनी, पायल सिनेमा के पीछे, पो0ओ0 ज्वालापुर, हरिद्वार।	श्री आलोक डंगवाल 9411536300
15.		ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन	H.O.-C/o श्री मोहनन पिल्लई (Mr. Mohanan Pillai), Manager HR & Admin ट्रकर्स कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया फांउडेशन टी0सी0आई0 हाउस, 69 इन्स्टिट्यूशनल एरिया, सैक्टर – 32, गुडगांव हरियाणा। प्रोजेक्ट आफिसः सुरक्षा खुशी क्लीनिक (टी0आई0), मलिक काम्पलेक्स, सलेमपुर चौक, बहादराबाद, हरिद्वार, उत्तराखण्ड।	श्री मोहम्मद शादाब 9899064599
16.	नैनीताल	मॉटिवेशनल इन्सटिट्यूट फार ट्रैनिंग एण्ड रिइनफोर्समेन्ट	देव विहार, गली नं0–10, मल्ला लोहारियासाल, उंचा पुल हल्द्वानी, नैनीताल। प्रोजेक्ट आफिसः रतन कुंज, पाण्डे निवास, जेल रोड़ चौराहा, हल्द्वानी।	श्री सुरेश अधिकारी 9720108672
17.		घरोहर विकास संस्थान	गैस गोदाम रोड़, नियर रेशम बाग, ग्राम छखैल, कुसुम खेड़ा, हल्द्वानी	श्री नकुल पाण्डे 8057538922
18.		लोक चेतना मंच	विकास नगर, नियर जी0आई0सी0 नारायण नगर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी, नैनीताल।	श्री जोगेन्द्र बिष्ट 9412092701
19.		देवरिशि एजुकेशनल सोसायटी	प्रोजेक्ट आफिसः लाइन नं0–17, हल्द्वानी, नैनीताल।	श्री हरनीत नारंग 8266012378
20.		दानपुर हिमालयन रूरल एण्ड एग्रीकल्चरल सोसायटी	**H.O.-** दानी भवन,नियर मुखानी चौराहा, नियर पैटोल पम्प, हल्द्वानी। प्रोजेक्ट आफिसः नगीना कालोनी, लालकंवां, नैनीताल।	श्री बिशन सिंह रजवार, 05945–268143, 9456553881,
21.		ग्रामीण विकास एवं शोध संस्था	ग्राम एवं पो0–नकटपुरा, वाया किच्छा, उधमसिंह नगर, प्रोजेक्ट आफिस–नियर गुरूद्वारा, टी0एस0एल0(लालकुवां) नैनीताल।	श्री डी0एन0 सिंह 9837373673

22.	पिथौरागढ	पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान	पुलिस लाईन रोड़, कुमौर, पिथौरागढ़। प्रोजेक्ट आफिसः जी0आई0सी0 रोड़, नियर लैड बैंक(LEAD BANK), पिथौरागढ़।	श्री पंकज कुमार कांडपाल, 9412045085
23.		स्वाती ग्रामोद्योग संस्थान	धारचुला रोड़, पिथौरागढ़। प्रोजेक्ट आफिसः दया निवास, धारचुला रोड़, पिथौरागढ	श्री राजेन्द्र सिंह बिष्ट 05964–224098, 9412095668
24.		मानव एवं पर्यावरण विकास समिति	सिनेमा लाइन निकट डाकघर, टकाना रोड़, पिथौरागढ़	श्री घनश्याम पन्त 7579051568
25.	पौड़ी	ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था	नियर झूला पुल, रतनपुर, ग्र0 व पो0 खुम्मीचौर, कोटद्वार, पौड़ी।	श्री कुलदीप सिंह गुसांई 9411357466, 9675287507
26.		ज्योत्सना ग्राम विकास उद्योग समिति	ग्राम एवं पो0–खानपुर, नं0–1, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिस– हाउस नं0– 119, विकास नगर, गड़ीघाट, कोटद्वार, जनपद पौड़ी	श्री ज्ञान प्रकाश दुबे 9412969941
27.	टिहरी	महिला सेंवा समिति	H.O.- ग्राम व पोस्ट– घनसाली, जनपद टिहरी गढ़वाल। प्रोजेक्ट आफिसः थत्यूड़, टिहरी।	श्रीमती अनीता भट्ट, 9411142118
28.	उधमसिंह नगर	पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति	ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उधमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः विवेक विहार, ट्रांजिट कैम्प, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर।	श्री सी0पी0 सिंह, 07500134436
29.		अवोर्ड ग्राम्य विकास शिक्षा समिति	ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उधमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः नियर बैक आफ बड़ौदा, दिनेशपुर, उधमसिंह नगर।	श्री अजीत श्रीवास्तव, 9458159911
30.		इंडियन इन्स्टिट्यूट फार मॉनिटरिंग ऑफ पोल्यूशन, एग्रीकल्चरल रिसर्च एण्ड टैक्नोलॉजी ट्रांसफर	हल्द्वानी बाईपास रोड़, किशनपुर, किच्छा, उधमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः एम0आई0जी0 86, आवास विकास कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	श्री श्यामनारायण दुबे 8057969756
31.		कुमाऊं सेवा समिति	नियर सितार इन्टरनेशनल होटल, सिडकुल रोड़, सितारगंज, उधमसिंह नगर।	कु0 जया मिश्रा, 9411168213

32.		परिधि सेवा संस्थान	इन्द्रा कालोनी, स्ट्रीट नं0–2, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः काशीपुर, रामनगर रोड़, नियर नोकिया केयर, उधमसिहं नगर।	श्रीमती हेमा 9837445863
33.		इंस्टिट्यूट आफ सोसल डेवल्पमेंट	H.O.- हल्द्वानी बाईपास रोड़, किशनपुर किच्छा, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड न0 8, नन्दाविहार कालोनी, नियर राधास्वामी सत्संग ब्यास, सितारगंज, उधमसिंह नगर।	श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, 9927066957, 9219442226
34.		ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन	H.O.-C/o श्री मोहनन पिल्लई (Mr. Mohanan Pillai), Manager HR & Admin ट्रकर्स कार्पोरेषन आफ इण्डिया फांउडेशन (TCIF) टी0सी0आई0 हाउस, 69 इन्स्टिट्यूशनल एरिया, सैक्टर–32, गुड़गांव, हरियाणा। प्रोजेक्ट आफिसः सुरक्षा खुशी क्लीनिक (ट्रकर्स टी0आई0), सिडकुल ब्रिज के नीचे, अटारिया मन्दिर रोड, जगतपुरा रूद्रपुर उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड।	श्री मोहम्मद शादाब 9899064599
35.		आदर्श सेवा संस्था	लेन नं0–2, इन्द्रा कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड नं0–8, रामपुरा, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर।	श्रीमती सीमा श्रीवास्तव 05944. 247656 09012504835
36.		पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति (मांइग्रेंट)	H.O.- ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उधमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड नं0–5, नियर सांई मन्दिर, खेरा कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	श्री सी0पी0 सिंह, 07500134436

ओ०एस०टी० केन्द में कार्यरत कार्मिकों का विवरण, उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति (2014-15)

ओ0एस0टी0 केन्द का नाम	स्टाफ का नाम	पद	फोन नं0	ई–मेल
एल0डी0 भट्ट राजकीय चिकित्सालय काशीपुर, उधमसिंह नगर	डा0 बी0सी0 जोशी	नोडल अधिकारी	9412089987	kumarat1967@gmail.com
	डा0 कमलजीत सिंह	चिकित्सा अधिकारी	9997969974, 9690192582	ksingh1982@rediffmail.com
	भावना बिष्ट	डाटा मैनेजर	8899454938	bhawnabisht29@gmail.com
	नीता पंत	काउंसलर	7830738828	pantneeta31@gmail.com
	जया देवी	ए0एन0एम0	8477914805, 8532030134	jayabhandari352@gmail.com
राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय, बनभूलपुरा, हल्द्वानी, नैनीताल	डा0 राजेश ढ़करियाल	नोडल अधिकारी	9411307935	ostcenternainital@gmail.com
	डा0 संजय गुप्ता	चिकित्सा अधिकारी	9412129241	Drsanjay063@gmail.com
	ललित पंत	डाटा मैनेजर	9927421091	lalit1pant@gmail.com
	सुनील कुमार	काउंसलर	8445334568	snlkumar042@gmail.com
	सलोमी मसीह	ए0एन0एम0	7351633058	aviwash@gmail.com
मेला चिकित्सालय, हरिद्वार	डा0 मनोज वर्मा	नोडल अधिकारी	9634242111	drmanojvarma08@gmail.com
	दीपक कुमार	डाटा मैनेजर	9760504303	dk70024@gmail.com
	आशा नेगी	काउंसलर	9412383291	ostharidwar@gmail.com
	मधु भट्ट	ए0एन0एम0	7579087915	madhubhatt@gmail.com
राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, प्रेमनगर, देहरादून	डा0 परमार्थ जोशी	नोडल अधिकारी	7895179383	ostpremnagar@gmail.com
	डा0 एन0के0 सिंह	चिकित्सा अधिकारी	9411530778	dr. nks.singh@gmail.com
	जीतेन्द्र सिह	डाटा मैनेजर	9319703535	jeetrana2010@gmail.com
	विपिन शर्मा	काउंसलर	9058402221	svipin012@gmail.com
	प्रेमलता	ए0एन0एम0	7533942825	lata.prem8@gmail.com
जवाहरलाल नेहरू जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	डा0 एम0के0 तिवारी	नोडल अधिकारी	9412419862	ostjlnusnagar@gmail.com
	रंजन पाण्डेय	डाटा मैनेजर	9720341617	pandeyranjan87@gmail.com
	श्वेता दीक्षित	काउंसलर	8958929947	Nempeaa121.achlish@gmail.com
	बीना कार्की	ए0एन0एम0	7409928867	mskarki29@gmail.com

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा स्थापित सुरक्षा क्लिनिक (Designated STI/RTI Clinic)

क्र.स.	जनपद	परामर्शदाता का नाम	स्थापित सुरक्षा क्लिनिक	मोबाईल	ई–मेल
1	अल्मोड़ा	सुश्री हेमलता भट्ट	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	9412306534	Hemlatabhatt99@gmail.com
2		श्रीमती गरिमा मेहरा	राजकीय बेस चिकित्सालय, अल्मोड़ा	9411761266	garimamehraalmora@gmail.com
3		श्रीमती दीपा आर्या	संयुक्त चिकित्सालय रानीखेत, अल्मोड़ा	9458324678	dsrcranikhet@gmail.com
4	बागेश्वर	श्रीमती गीता पाठक	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर	9568936941	ictcbageshwar@gmail.com
5	चमोली	श्रीमती प्रतिभा पंवार	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर	9410970877	panwarpratib@gmail.com
6	चंपावत	श्रीमती सरोजनी बिष्ट	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट	8126760772	dsrchlohaghat@gmail.com
7	देहरादून	सुश्री अमिता	दून चिकित्सालय, देहरादून	9837017650	kumariamita01@gmail.com
8		श्री बिजेन्द्र सिंह	दून महिला चिकित्सालय, देहरादून	9456303285	stidfh06@gmail.com
9		श्री अमित गोयल	एच.आई.एच.टी. जौलीग्रांट, देहरादून	9412001705	stihihtmc@gmail.com
10		श्रीमती बीना रावत	एस0पी0एस0 संयुक्त चिकित्सालय, ऋशिकेष	8449044616	ictcspsrishikesh@gmail.com
11		सुश्री आशा रावत	संयुक्त चिकित्सालय, प्रेमनगर	8533980779	asha31rawat@gmail.com
12		श्रीमती कृष्णा चौहान	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोईवाला	9690051343	krishnastidoiwala456@gmail.com
13	हरिद्वार	श्री राजन बडोनी	एच0एम0जी0 जिला चिकित्सालय, हरिद्वार	9837358537	badonijhony95@gmail.com
14		श्रीमती माधुरी	संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	9759151417	usacs.stirke@gmail.com
15	नैनीताल	श्रीमती किरण दीक्षित	बी0डी0 पाण्डे चिकित्सालय, नैनीताल	9411198434	kirandixit25@gmail.com
16		श्रीमती दीपा उपाध्याय	एस0एस0जे0 राजकीय बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी	9568199710	deeptinaveenjoshi@yahoo.in
17		श्री चंद्र प्रकाश शर्मा	डॉ0 सुषीला तिवारी राजकीय मेडिकल कालेज, हल्द्वानी	9458358905	stihaldwani@gmail.com
18	पौड़ी	श्री संदीप भण्डारी	जिला चिकित्सालय, पौड़ी	7351316995	sandeepbhandari327@gmail.com
19		श्रीमती आरती बिष्ट	राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	9410722767	bisht.aarti05@gmail.com
20		श्रीमती कुसुम	राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर	9760047328	stibasesrinagar@gmail.com,
21	पिथौरागढ	सुश्री इन्द्रा खम्पा	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ	9997374190	ikhampa98@yahoo.com
22		सुश्री अमिता जोशी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डीडीहाट, पिथौरागढ़	7579103743	dsrcdidihat@gmail.com
23	रूद्रप्रयाग	श्रीमती सुमन	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग	9456580885	ranasuman86@gmail.com
24	टिहरी	श्री प्रेम लाल	संयुक्त चिकित्सालय, नरेन्द्रनगर, टिहरी	9568564305	premlal.rock07@gmail.com
25	उधमसिंह नगर	सुश्री आशा खत्री	जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	9719406631	akashakhatri9@gmail.com
26		श्रीमती चम्पा पंत	एल0डी0 भट्ट राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, काशीपुर	9756175015	champa.pant71@yahoo.com
27	उत्तरकाशी	श्रीमती साधना डिमरी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	9412439514	stdcdsuttarkashi@gmail.com
28		श्रीमती पुष्पा रावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुरोला, उत्तरकाशी	9634362757	stichcpurola@gmail.com, itctcchcpurola05@gmail.com

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परिक्षण केन्द्र

क्रमं सं	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
1	अल्मोड़ा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	श्री नरेन्द्र सिंह चौहान	परामर्शदाता
2			श्री मनोज कुमार	लैब टैक्नीशियन
3		जिला महिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती उर्मिला उपाध्याय	परामर्शदाता
4			श्री मनीष थपलियाल	लैब टैक्नीशियन
5		संयुक्त चिकित्सालय, रानीखेत	श्री मनोज कुमार पाठक	परामर्शदाता
6			श्रीमती रूचिता भण्डारी	लैब टैक्नीशियन
7		बेस चिकित्सालय, अल्मोड़ा	श्री प्रेम सिंह बिष्ट	परामर्शदाता
8			श्री पंकज कुमार थुवाल	लैब टैक्नीशियन
9	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर	डॉ0 शैफाली शाह	परामर्शदाता
10			श्री महावीर सिंह कुंवर	लैब टैक्नीशियन
11		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बैजनाथ	श्रीमती मंजू पुरोहित	परामर्शदाता
12			श्री कमल किशोर त्रिपाठि	लैब टैक्नीशियन
13	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर	डॉ0 हरीश प्रसाद मैखूरी	परामर्शदाता
14			श्री पुशकर सिंह	लैब टैक्नीशियन
15		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कर्णप्रयाग	श्री कुशल नन्द भटट	परामर्शदाता
16			श्री महावीर प्रशाद पालीवाल	लैब टैक्नीशियन
17	चम्पावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट	श्री निर्मल मुरारी	परामर्शदाता
18				लैब टैक्नीशियन
19		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, टनकपुर	श्रीमती ज्योति जोशी	परामर्शदाता
20			श्री अजय कुमार शुक्ला	लैब टैक्नीशियन
21	देहरादून	दून चिकित्सालय, देहरादून	श्री संदीप डबराल	परामर्शदाता
22			श्री रणवीर सिंह बिष्ट	लैब टैक्नीशियन
23		दून महिला चिकित्सालय, देहरादून (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती भारती उनियाल	परामर्शदाता
24			श्रीमती सीमा जोशी	परामर्शदाता
25			श्री गौरव शाहनी	लैब टैक्नीशियन
26		सेंट मेरी हॉस्पिटल, मसूरी	श्रीमती पुष्पा आर्या	परामर्शदाता
27			कु0 सुदर्शना सिंह	लैब टैक्नीशियन
28		हर्रबटपूर क्रिश्चियन हॉस्पिटल, हर्रबटपूर	श्रीमती सन्थिया	परामर्शदाता
29			श्री समीर कुमार	लैब टैक्नीशियन
30		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहिया	श्री जगमोहन सिंह	परामर्शदाता
31			श्री नीरज सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
32		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोईवाला	कु0 रेनू कुकरेजा	परामर्शदाता
33			श्रीमती मीनाक्षी डोभाल	लैब टैक्नीशियन
34		एच.आई.एच.टी. मेडिकल कॉलेज, जौलीग्राण्ट	श्री महावीर सिंह असवाल	परामर्शदाता
35			श्री शैलेश राय	लैब टैक्नीशियन

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परिक्षण केन्द्र

क्रमं सं	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
36		एस.पी.एस. संयुक्त चिकित्यालय, ऋषिकेश	श्री हीरा बल्लभ नोडियाल	परामर्शदाता
37			श्री भूपेन्द्र फर्सवाण	लैब टैक्नीशियन
38		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, विकास नगर	सुश्री रेखा कुकरेती	परामर्शदाता
39			श्री संजय सिंह	लैब टैक्नीशियन
40		संयुक्त चिकित्सालय केन्द्र, प्रेमनगर	श्रीमती पूनम शाही	परामर्शदाता
41			श्री रणवीर सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
42	हरिद्वार	एच.एम.जी. जिला चिकित्सालय	श्रीमती रेनू	परामर्शदाता
43			श्री विनोद कुमार तिवाडी	लैब टैक्नीशियन
44		जिला महिला चिकित्सालय (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 नम्रता मिश्रा	परामर्शदाता
45			श्रीमती अनुराधा नौटियाल	लैब टैक्नीशियन
46		राजकिय संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	श्रीमती वेनू बडोनी	परामर्शदाता
47			श्री प्रमिन्द्र कुमार	लैब टैक्नीशियन
48		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नारसन		परामर्शदाता
49			श्री अंकित कुमार शुक्ला	लैब टैक्नीशियन
50		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लक्सर	श्री प्रदीप	परामर्शदाता
51			श्री रविन्द्र बलोधी	लैब टैक्नीशियन
52	नैनीताल	बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय, नैनीताल	श्रीमती सरिता नाथ शर्मा	परामर्शदाता
53			श्रीमती कविता मेहरा	लैब टैक्नीशियन
54		सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी		परामर्शदाता
55			श्री प्रदीप चन्द्र जोशी	लैब टैक्नीशियन
56		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, रामनगर	श्रीमती मनीषा तिवाडी	परामर्शदाता
57			श्री जगत सिंह काराकोटी	लैब टैक्नीशियन
58		डॉ सुशीला तिवारी मेडिकल कालेज, हल्द्वानी	श्रीमती तनूजा बिष्ट	परामर्शदाता
59			श्रीमती बीना गूरूरानी	लैब टैक्नीशियन
60		राजकीय महिला चिकित्सालय, हल्द्वानी (पी.पी.टी.सी.टी.)	डॉ0 शालनि टन्डन	परामर्शदाता
61			श्री विवेकानन्द	लैब टैक्नीशियन
62	पौड़ी	जिला चिकित्सालय, पौड़ी	श्री हर्ष पाल सिंह नेगी	परामर्शदाता
63			श्री संतोष प्रशाद जोशी	लैब टैक्नीशियन
64		जिला महिला चिकित्सालय, पौड़ी (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 निधि बिष्ट	परामर्शदाता
65			श्रीमती रेखा जोशी	लैब टैक्नीशियन
66		बेस चिकित्सालय, श्रीनगर	श्रीमती सीमा हटवाल	परामर्शदाता
67				लैब टैक्नीशियन
68		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पावौ	श्री मनदीप सिंह	परामर्शदाता
69			श्री विजय चन्द रमोला	लैब टैक्नीशियन
70		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	श्रीमती संगीता कुकरेती	परामर्शदाता
71			श्री अनिल कुमार	लैब टैक्नीशियन

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परिक्षण केन्द्र

क्रमं सं	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
72	पिथौरागढ़	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़	कु0 फरहाना परवीन	परामर्शदाता
73			श्री दिनेश जोशी	लैब टैक्नीशियन
74		जिला महिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़ (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती गोदावरी खोलीया	परामर्शदाता
75			श्री जगदीश सिंह ऐरी	लैब टैक्नीशियन
76		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, धारचुला	डॉ0 सीमा श्रीवास्तव	परामर्शदाता
77			श्री बालक राम न्यूली	लैब टैक्नीशियन
78	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग	श्री वासू देव न्यूली	परामर्शदाता
79			श्री अरून चमोला	लैब टैक्नीशियन
80		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जखोली	श्रीमती अंजना भटट	परामर्शदाता
81			श्री अशूतोष नेगी	लैब टैक्नीशियन
82	टिहरी गढ़वाल	जिला चिकित्सालय, बौराडी	श्री मुकेश सिंह	परामर्शदाता
83			श्री आनन्द सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
84		श्री देव सुमन संयुक्त चिकित्सालय, नरेन्द्रनगर	श्री राम लाल डिमरी	परामर्शदाता
85			श्री रविकान्त राय	लैब टैक्नीशियन
86	उधमसिंह नगर	जे. एल. एन. जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	श्री ललीत चन्द्र पन्त	परामर्शदाता
87			श्री सुरेश थपलियाल	लैब टैक्नीशियन
88		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसपुर	श्री सन्दीप चौहान	परामर्शदाता
89			श्री जमील अहमद	लैब टैक्नीशियन
90		एल.डी. भट्ट राजकीय चिकित्सालय, काशीपुर	श्रीमती सरिता ठाकुर	परामर्शदाता
91			श्री अजीत रावत	लैब टैक्नीशियन
92		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खटीमा	श्री धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता	परामर्शदाता
93			श्री शिवपद मन्डल	लैब टैक्नीशियन
94	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	श्रीमती सीमा शर्मा	परामर्शदाता
95			श्री मुकेश नाथ	लैब टैक्नीशियन
96		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुरोला	श्री यशवीर सिंह	परामर्शदाता
97			श्री संदीप सिंह	लैब टैक्नीशियन
98		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नौगांव	श्री शिव प्रसाद	परामर्शदाता
99			श्री संजय प्रकाश जोशी	लैब टैक्नीशियन
100	मोबाईल वैन	आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन	श्री अजय घरती	परामर्शदाता
101			श्री सिद्धार्थ कुकरेती	लैब टैक्नीशियन
102			श्री प्रकाश चन्द्र जोशी	वाहन चालक
103			श्री राजन राम	एटेन्डेन्ट
104	एस.आर.एल	एस.आर.एल. जौलीग्राण्ट	श्री विजय कुमार	टैक्नीकल आफिसर

उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित ए.आर.टी. केन्द्र

1. **ए.आर.टी. केन्द्र– दून चिकित्सालय,**
   कक्ष संख्या 101, द्वितीय तल, देहरादून दूरभाष संख्या : 0135-2655529 (Direct), 2653523-Extn. 373

2. **ए.आर.टी. केन्द्र– डॉ0 सुशीला तिवारी, राजकीय चिकित्सालय,**
   रामपुर रोड हल्द्वानी (नैनीताल) दूरभाष संख्या : 05946-235609 (Direct), 05946-234104, 234397, Extn. 3284, 3164.

3. **एफ.आई. ए.आर.टी. केन्द्र (फैसिलिटी इन्ट्रीगेटेड ए.आर.टी. केन्द्र) – बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़।**

उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित एवं कार्यरत लिंक ए.आर.टी. केन्द्रों की सूची:–

क्र.सं.	जिला	लिंक. ए.आर.टी. का नाम
1	अल्मोडा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा
2	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर
3	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर, चमोली
4	चम्पावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट, चम्पावत
5	देहरादून	संयुक्त चिकित्सालय,ऋषिकेश
6	हरिद्वार	जिला चिकित्सालय, हरिद्वार
7		संयुक्त चिकित्सालय रूड़की, हरिद्वार
8	पौड़ी	बेस / मेडिकल चिकित्सालय,श्रीनगर, पौड़ी
9		जिला चिकित्सालय पौड़ी
10		संयुक्त चिकित्सालय कोटद्वार, पौड़ी
11	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग
12	टिहरी	जिला चिकित्सालय, बौराड़ी, टिहरी
13	उधमसिंह नगर	संयुक्त चिकित्सालय काशीपुर, उधमसिंह नगर
14		संयुक्त चिकित्सालय, खटीमा, उधमसिंह नगर
15	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय,उत्तरकाशी

उत्तराखण्ड राज्य में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में स्थापित रक्तकोषों की स्थिति

कुल रक्तकोषों की संख्या – 27

नाको सहायतित रक्तकोषों की संख्या – 19

क्र.सं.	जनपद	रक्तकोष का नाम	स्थिति
1	**देहरादून**	मॉडल ब्लड बैंक दून चिकित्सालय, देहरादून **(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)**	राज्य सरकार
2		एस.पी.एस. राजकीय चिकि0, ऋषिकेश, देहरादून	राज्य सरकार
3		आई.एम.ए. रक्तकोष, देहरादून **(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)**	पी.पी.पी.
4		एच.आई.एच.टी. जौलीग्रांट, देहरादून**(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)**	प्राईवेट
5		श्री महन्त इन्द्रेश चिकित्सालय, देहरादून **(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)**	प्राईवेट
6		सैनिक चिकित्सालय, देहरादून	केन्द्र सरकार
7		मैक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून **(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)**	प्राईवेट
8	**ऊधमसिंह नगर**	जे0एन0एन0 जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	राज्य सरकार
9		एल0डी0 भट्ट चिकित्सालय, काशीपुर	राज्य सरकार
10		श्री कृष्णा हॉस्पिटल, काशीपुर	प्राईवेट
11		जीवन रेखा चिकित्सालय, काशीपुर, **(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)**	प्राईवेट
12	**चमोली**	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर	राज्य सरकार
13	**हरिद्वार**	एच0एम0जी0 जिला चिकित्सालय, हरिद्वार	राज्य सरकार
14		संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	राज्य सरकार
15		सैनिक चिकित्सालय, रूड़की	केन्द्र सरकार
16		बी.एच.ई.एल. चिकित्सालय, हरिद्वार	केन्द्र सरकार
17		रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, हरिद्वार	प्राईवेट
18	**नैनीताल**	बी0डी0 पाण्डे जिला चिकित्सालय, नैनीताल	राज्य सरकार
19		एस.एस.जे. बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी	राज्य सरकार
20		डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय हल्द्वानी**(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)**	राज्य सरकार
21	**पिथौरागढ़**	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़	राज्य सरकार
22	**अल्मोड़ा**	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	राज्य सरकार
23		गो0सि0 माहरा चिकित्सालय, रानीखेत	राज्य सरकार
24	**पौड़ी**	बेस चिकित्सालय, श्रीनगर पौड़ी	राज्य सरकार
25		जिला चिकित्सालय, पौड़ी	राज्य सरकार
26		संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	राज्य सरकार
27	**उत्तरकाशी**	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	राज्य सरकार

Abbreviation

AAP	Annual Action Plan
AEP	Adolescence Education Programme
AIDS	Acquired Immuno Deficiency Syndrome
ANC	Antenatal Clinic
ART	Anti-retroviral Therapy
ASHA	Accredited Social Health Activist
ANM	Auxiliary Nurse Midwife
BCC	Behaviour Change Communication
BCSU	Blood Component Separation Units
BSS	Behaviour Surveillance Survey
CBO	Community-Based Organisation
COE	Centre of Excellence
CPT	Cotrimoxazole Prophylaxis Therapy
CST	Care, Support & Treatment
CCC	Community Care Centre
CDC	Centers for Disease Control and Prevention
CHC	Community Health Centre
CLHA	Children Living with HIV/AIDS
CMIS	Computerised Management Information System
CPFMS	Computerised Project Financial Manag-ement System
CPGRAMS	Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System
CSMP	Condom Social Marketing Programme
CVM	Condom Vending Machine
DACO	District AIDS Control Officer
DAPCU	District AIDS Prevention & Control Unit
DFID	Department for International Development (UK)
DIC	Drop In Centre
Led	Employer Led Model
ESCM	Enhanced Syndromic Case Management
EQAS	External Quality Assessment Scheme
FC	Female Condom
FHI	Family Health International
FICTC	Facility Integrated Counseling and Testing Centre
FOGSI	Federation of Obstetric & Gynaecological Societies of India
FRU	First Referral Unit
FSW	Female Sex Workers
GC	General Client
GFATM	Global Fund for AIDS, Tuberculosis and Malaria
GIPA	Greater Involvement of People living with HIV/AIDS
H&FW	Health & Family Welfare
HIV	Human Immunodeficiency Virus
HMIS	Health Management Information System
HRG	High Risk Group
HSS	HIV Sentinel Surveillance
IAP	Indian Academy of Paediatrics
IAVI	International AIDS Vaccine Initiative
IBSS	Integrated Biological and Behavioural Surveillance
ICMR	Indian Council of Medical Research
ICTC	Integrated Counseling and Testing Centre
ICRW	International Centre for Research on Women
IDU	Injecting Drug User
IEC	Information, Education and Comm-unication
IHBAS	Institute of Human Behaviour & Allied Sciences
IIPS	International Institute for Population Sciences
IMS	Institute of Management Studies
JAT	Joint Appraisal Team
LAC	Link ART Centre

LWS	Link Worker Scheme
M & E	Monitoring & Evaluation
MoWCD	Ministry of Women & Child Development
MSM	Men who have Sex with Men
NABH	National Accreditation Board for Healthcare Providers
NACO	National AIDS Control Organisation
NACP	National AIDS Control Programme
NARI	National AIDS Research Institute
NBTA	National Blood Transfusion Authority
NCDC	National Cooperative Development Corporation
NEQAS	National External Quality Assessment Scheme
NGO	Non-Government Organisation
NIC	National Informatics Centre
NPO	National Programme Officer
NRHM	National Rural Health Mission
NRL	National Referral Laboratory
NSCB	Netaji Subhash Chandra Bose Medical College
NTSU	National Technical Support Group
NTWG	National Technical Working Group
NYKS	Nehru Yuva Kendra Sangathan
OI	Opportunistic Infection
OST	Opioid Substitution Therapy
ORW	Outreach Worker
PEP	Post Exposure Prophylaxis
PHC	Primary Health Centre
PHMI	Public Health Management Institute
PLHA	People Living with HIV/AIDS
PPP	Preferred Private Provider
PPTCT	Prevention of Parent to Child Transmission
PRI	Panchayati Raj Institution
RBTC	Regional Blood Transfusion Centre
RCH	Reproductive and Child Health
RI	Regional Institute
RNTCP	Revised National Tuberculosis Control Programme
RSBY	Rashtriya Swasthya Bima Yojna
RRC	Red Ribbon Club
RRE	Red Ribbon Express
RTI	Reproductive Tract Infection
SACS	State AIDS Control Society
SBTC	State Blood Transfusion Council
SIMU	Strategic Information Management Unit
SIMS	Strategic Information Management System
STD	Sexually Transmitted Disease
STI	Sexually Transmitted Infection
STRC	State Training & Resource Centre
TAC	Technical Advisory Committee
TB	Tuberculosis
TG	Transgender
TI	Targeted Intervention
TSG	Technical Support Group
TSU	Technical Support Unit
UN	United Nations
UNAIDS	United Nations Programme on HIV/AIDS
UNDP	United Nations Development Programme
UNICEF	United Nations Children's Fund
USACS	Uttarakhand State AIDS Control Society
USAID	United States Agency for International Development
UT	Union Territory
WBT	Whole Blood HIV Test
WHO	World Health Organization

एच.आई.वी. संक्रमण है तो घबराएं नहीं, अपनाएं नियमित जीवन, उपचार और देखभाल

स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

नियमित योग एवं व्यायाम करें।

नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

स्वच्छ एवं पौष्टिक आहार का नियमित सेवन करें।

जीवन के प्रति सकारात्मक सोच अपनाएं।

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

एच आई वी संक्रमित गर्भवती महिला से शिशु में वायरस का संचार तीन अवस्थाओं में हो सकता है।

गर्भावस्था में 1

प्रसव के समय 2

स्तनपान से 3

हर गर्भवती महिला एच आई वी जांच के लिये अपने क्षेत्र की आशा कार्यकत्री से संपर्क करें

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

जल्द से जल्द करवायें एच.आई.वी. की जाँच ताकि बच्चे पर ना आये आँच

हर सरकारी अस्पताल के आई.सी.टी.सी. में गर्भवती महिलाओं के लिए एच.आई.वी. की सलाह और जाँच की सुविधा उपलब्ध है। यह सुविधा बिलकुल मुक्त एवं गोपनीय है।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

एच.आई.वी. / (HIV) संक्रमित व्यक्ति के साथ खेलने, खाने, रहने या उठने बैठने से एच.आई.वी. संक्रमण नहीं होता। संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नाइंसाफी है।

आइये, संकल्प लें कि एच.आई.वी./एड्स के साथ जी रहे लोगों को वही प्यार, सम्मान और सहयोग दें, जिसके आप और हम हकदार हैं।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष : 0135-2608883 फैक्स 2608745 Email: uttaranchalsacs@gmail.com Website: www.uasacs.org

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

संरक्षक
डा० नीरज खैरवाल
(आई.ए.एस.)
परियोजना निदेशक

प्रधान संपादक
डा० कैलाश जोशी
अपर परियोजना निदेशक

संपादक
श्री अनिल कुमार सती
संयुक्त निदेशक, आई. ई. सी.

संकलन एवं सह संपादन
सौरभ सहगल
सहायक निदेशक, डाक्यूमेंटेशन एवं पब्लिसिटी

संकलन सहायक
श्रीमती पदमिनी मल्होत्रा
उपनिदेशक (सोशल प्रोटेक्शन मैनस्ट्रीमिंग)
श्री रवि शंकर बिष्ट
सहायक निदेशक (यूथ अफेयर)
श्री जगदीश अधिकारी
अनुभाग सहायक
श्रीमती निधि जखमोला
स्टैनो आई. ई. सी. अनुभाग

संकलन समन्वयक
रक्त सुरक्षा अनुभाग
वित्त अनुभाग
टी. आई. अनुभाग
आई. सी. टी. सी. अनुभाग
एम. एण्ड ई. अनुभाग
आई. ई. सी. अनुभाग

USACS NACO

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय
डांडा लखौण्ड, पो0ओ0 गुजराड़ा, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून
दूरभाष: 0135–2608885, फैक्स 2608745, **Email: uttaranchalsacs@gmail.com Website: www.uasacs.org**

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें